



अखंड भारत संदेश

www.akhandbharatsandesh.net

प्रयागराज से प्रकाशित

नगर संस्करण प्रयागराज

रविवार 3 सितंबर 2023

विश्व निर्माण एवं मानव विकास को द्रुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान आश्रम की अनुपम भेंट

अंतरिक्ष में 'सूर्यान्त', जय 'हिंदुस्तान'



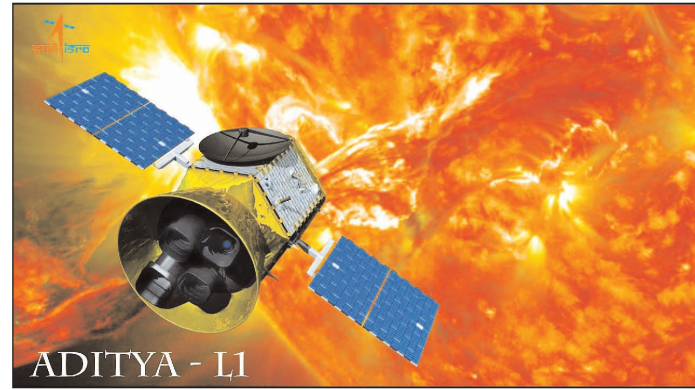
बेंगलुरु: चंद्रयान-3 की चांद के दक्षिणी ध्रुव पर कामयाब लैंडिंग के 10वें दिन इसरो ने शनिवार को आदित्य एल1 मिशन लॉन्च कर दिया। आदित्य सूर्य की स्टडी करेगा। इसे सुबह 11.50 बजे पीएसएलवी-सी57 के छ वजन रॉकेट के जरिए श्रीहरिकोटा के सतीश धवन स्पेस सेंटर से लॉन्च किया गया। रॉकेट ने 63 मिनट 19 सेकेंड बाद आदित्य को 235*9500 डे की पृथ्वी की ऑर्बिट में छोड़ दिया। करीब 4 महीने बाद यह 15 लाख किमी दूर लैंगरेंज पॉइंट-1 तक पहुंचेगा। इस पॉइंट पर ग्रहण का प्रभाव नहीं पड़ता, जिसके चलते यहां से सूरज पर आसानी से रिसर्च की जा सकती है। इसरो ने बताया कि आदित्य एल1 की पहली ऑर्बिट राइजिंग 3 सितंबर को सुबह 11:45 बजे की जाएगी। आदित्य एल1 का सफर

पीएसएलवी रॉकेट ने आदित्य को 235*19500 किमी की पृथ्वी की कक्षा में छोड़ा। 16 दिनों तक पृथ्वी की कक्षा में रहेगा। 5 बार थ्रस्टर फायर कर ऑर्बिट बढ़ाएगा। फिर से आदित्य के थ्रस्टर फायर होंगे और ये एल1 पॉइंट की ओर निकल जाएगा। 110 दिनों के सफर के बाद आदित्य ऑर्बिटर इस पॉइंट के पास पहुंचेगा। थ्रस्टर फायरिंग के जरिए आदित्य को एल1 पॉइंट के ऑर्बिट में डाल दिया जाएगा। लैंगरेंज पॉइंट-1 (एल1) क्या है? लैंगरेंज पॉइंट का नाम इतालवी-फ्रेंच मैथमेटिशियन जोसेफ-लुई लैंगरेंज के नाम पर रखा गया है। इसे बोलचाल में

छ1 नाम से जाना जाता है। ऐसे पांच पॉइंट धरती और सूर्य के बीच हैं, जहां सूर्य और पृथ्वी का गुरुत्वाकर्षण बल बेलेंस हो जाता है और सेंट्रिफ्यूगल फोर्स बन जाती है। ऐसे में इस जगह पर अगर किसी ऑब्जेक्ट को रखा जाता है तो वह आसानी से दोनों के बीच स्थिर रहता है और उस पॉइंट के आस-पास चक्कर लगाता शुरू कर देता है। पहला लैंगरेंज पॉइंट धरती और सूर्य के बीच 15 लाख किलोमीटर की दूरी पर है। एल1 पॉइंट पर ग्रहण बेअसर इसरो का कहना है कि एल1 पॉइंट के आस-पास हेलो ऑर्बिट में रखा गया सैटेलाइट सूर्य को बिना किसी ग्रहण के लगातार देख सकता है। इससे रियल टाइम सोलर एक्टिविटीज और अंतरिक्ष के मौसम पर भी नजर रखी जा सकेगी। ये 6 जनवरी 2024 को एल1 पॉइंट तक

पहुंचेगा। सूर्य का अध्ययन करना क्यों है जरूरी? दरअसल, सूरज सौरमंडल का सबसे नजदीकी तारा है, इसलिए इसका अध्ययन करना अन्य तारों की तुलना में ज्यादा आसान है। इसका अध्ययन करने के बाद मिलेगी वे के तारों के बारे में ज्यादा-से-ज्यादा जानकारी हासिल हो सकती है। सूर्य एक गतिशील तारा है, जिसमें आए दिन कई विस्फोटकारी घटनाएं होती रहती हैं। इन घटनाओं के कारण सूर्य सौरमंडल में काफी ऊर्जा छोड़ता है। यदि यह घटना पृथ्वी की ओर बढ़ती है, तो इससे पृथ्वी के आसपास के अंतरिक्ष वातावरण में गड़बड़ी हो सकती है। यहां तक कि यदि कोई अंतरिक्ष यान भी इस विस्फोटक गतिविधियों के संपर्क में आ जाता है, तो इससे उसकी जान तक

इसरो ने शनिवार को आदित्य एल1 मिशन लॉन्च, आदित्य सूर्य की स्टडी करेगा



खतरे में पड़ जाएगी। सूर्य कई ऐसी घटनाओं पर अध्ययन करने का बेहतर मौका देता है, जिन्हें लैब में रहकर समझ पाना शायद कभी संभव ही नहीं है। जिस सोलर सिस्टम में हमारी पृथ्वी है, उसका केंद्र सूर्य ही है। सभी आठ ग्रह सूर्य के ही चक्कर लगाते हैं। सूर्य की

वजह से ही पृथ्वी पर जीवन है। सूर्य से लगातार ऊर्जा बहती है। इन्हें हम चार्ज पार्टिकल्स कहते हैं। सूर्य का अध्ययन करके ये समझा जा सकता है कि सूर्य में होने वाले बदलाव अंतरिक्ष को और पृथ्वी पर जीवन को कैसे प्रभावित कर सकते हैं।

सूर्य दो तरह से एनर्जी रिलीज करता है

प्रकाश का सामान्य प्रवाह जो पृथ्वी को रोशन करता है और जीवन को संभव बनाता है। प्रकाश, कणों और चुंबकीय क्षेत्रों का विस्फोट जिससे इलेक्ट्रॉनिक चीजें खराब हो सकती हैं। इसे सोलर फ्लेयर कहा जाता है। जब ये फ्लेयर पृथ्वी तक पहुंचता है तो पृथ्वी की मैग्नेटिक फील्ड हमें इससे बचाती है। अगर ये ऑर्बिट में मौजूद सैटेलाइटों से टकरा जाए तो ये खराब हो जाएंगी और पृथ्वी पर कम्युनिकेशन सिस्टम से लेकर अन्य चीजें ठप पड़ जाएंगी। इसीलिए इसरो सूर्य को समझना चाहता है। अब तक का सबसे बड़ा सोलर फ्लेयर 1859 में पृथ्वी से टकराया था। इसे कैरिस्टिन इवेंट के नाम से जाना जाता है। सोलर फ्लेयर के कारण ग्लोबल टेलिग्राफ कम्युनिकेशन प्रभावित हुआ था। सूरज इतना विशाल है कि इसमें 13 लाख पृथ्वी समा जाए। ये इतना गर्म है कि 1 लाख करोड़ परमाणु बम के विस्फोट से निकली ऊर्जा भी फीकी पड़ जाए। सूरज 460 करोड़ साल का हो चुका है और इसके अगले 1,000 करोड़ साल तक बने रहने की संभावना है। इस मिशन में क्या है उद्देश्य? इस मिशन के जरिए कोरोनाल हीटिंग और सौर पवन को समझना संभव हो सकेगा। कोरोनाल मास इजेक्शन (सीएमई), फ्लेयर्स और पृथ्वी के पास के अंतरिक्ष मौसम की शुरुआत को समझने में मदद मिलेगी। सौर टूफान की उत्पत्ति, प्री-फ्लेयर और फ्लेयर गतिविधियां और उनकी विशेषताएं को समझना होगा।

भूपेश सरकार के विरुद्ध भाजपा ने जारी किया आरोप पत्र

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के साथ पूर्व सीएम डॉ. रमन सिंह ने कांग्रेस को घेरा

रायपुर: छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ. रमन सिंह पं. दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम रायपुर में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के साथ आरोप पत्र लॉन्चिंग कार्यक्रम में शामिल हुए इस दौरान भाजपा के प्रदेश प्रभारी ओम माथुर, प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव, नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल समेत कई दिग्गज नेताओं ने कार्यक्रम में हिस्सा लिया। अपने संबोधन में पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह ने कांग्रेस सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि 2018 के घोषणापत्र के वादे झूठे निकले आज न केवल जनघोषणा पत्र के वादे अधूरे हैं बल्कि छत्तीसगढ़ में माफिया राज व्याप्त हो चुका है, चारों ओर लूट और भय का माहौल



है। आरोप पत्र को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि इस आरोप पत्र के माध्यम से हम पिछले पाँच साल में कांग्रेस सरकार द्वारा किए गए लूट और भय का माहौल

योजना में 5000 करोड़ शराब में 2,161 करोड़, गौठान में 1300 करोड़ और गोबर तक में 229 करोड़ रुपए का घोटाला करने वाली ये सरकार है अब तो मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के नेतृत्व वाली इस सरकार की सलिपता जुए और स्ट्रे में भी प्रमाणित हो गई है। इस भ्रष्ट भूपेश सरकार हो हम बहुत जल्द जड़ से उखाड़ फेंकेगे। इस दौरान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी भूपेश सरकार पर जमकर निशाना साधा उन्होंने मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के घोटालों की लिस्ट बताई साथ ही उन्होंने प्रदेश में विकास कार्यों को लेकर कहा कि भाजपा सरकार के विकासकार्यों का एक तिहाई कार्य भी कांग्रेस सरकार नहीं कर पाई है।

ज्ञानवापी सर्वे रिपोर्ट...एएसआई ने 56 दिन और मांगे

वाराणसी ज्ञानवापी सर्वे की रिपोर्ट पेश करने के लिए एएसआई ने वाराणसी कोर्ट से 8 हफ्ते यानी 56 दिन का समय मांगा है। इसके लिए एएसआई ने वाराणसी जिला जज अजय कुमार विश्वेश कोर्ट में एक एप्लिकेशन दी है। अब 8 सितंबर को जिला जज इस पर सुनवाई करेंगे। बता दें कि एएसआई को वाराणसी कोर्ट में पूरी सर्वे रिपोर्ट पेश करनी थी। इससे पहले शनिवार सुबह हिंदू पक्ष के एडवोकेट विष्णु जैन ने कहा, "एएसआई की ओर से कोर्ट में सर्वे का समय बढ़ाने को लेकर बात चल रही है।

चांद पर 10 दिन में 101 मीटर चला रोवर



बंगलुरु: चंद्रयान-3 के रोवर प्रज्ञान ने शिवशक्ति लैंडिंग पॉइंट से 100 मीटर की दूरी तय कर ली है। इसरो ने शनिवार (2 सितंबर) को लैंडर विक्रम और रोवर प्रज्ञान के बीच की दूरी का ग्राफ शेयर किया है। इसमें दिखाया गया है कि प्रज्ञान पहले लैंडर से पश्चिम की तरफ जा रहा था। बाद में इसने दिशा बदलकर उत्तर की तरफ चलना शुरू किया। इसरो ने 50*50 स्केल के आधार पर ग्राफ बनाया है। जिसमें बताया है कि रोवर 101.4 मीटर दूरी चल चुका है। विक्रम लैंडर 23 अगस्त को चंद्रमा पर उतरा था। रोवर को यह दूरी तय करने में 10 दिन लगे। 14 दिन का है मिशन, अब स्लीप मोड की तैयारी: इसरो चीफ एस सोमनाथ ने शनिवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान बताया कि लूनर नाइट्स नजदीक हैं। इसलिए इसरो चंद्रयान-3 को स्लीप मोड में लाने की तैयारी कर रहा है। चंद्रयान-3 मिशन 14 दिनों का है। 2 सितंबर को इसका 11वां दिन है। यानी प्रज्ञान के पास साउथ पोल रिसर्च के लिए 3 दिन और बाकी है। दरअसल, चंद्रमा पर 14 दिन तक रात और 14 दिन तक उजाला रहता है। जब यहां रात होती है तो तापमान -100 डिग्री सेल्सियस से भी कम हो जाता है। चंद्रयान के लैंडर और रोवर अपने सोलर पैनल से पावर जनरेशन कर रहे हैं। रोवर-लैंडर 14 दिन तक तो पावर जनरेट कर लेंगे, लेकिन रात होने पर पावर जनरेशन प्रोसेस रुक जाएगी। पावर जनरेशन नहीं होगा तो इलेक्ट्रॉनिक्स भयंकर ठंड को झेल नहीं पाएंगे और खराब हो सकते हैं। इसरो ने जो ग्राफ शेयर किया है, उसके मुताबिक प्रज्ञान लैंडर विक्रम से 101.4 मीटर दूर उत्तर दिशा में आगे बढ़ रहा है।

चीन बॉर्डर पर तीनों भारतीय सेनाओं का युद्धाभ्यास

जवानों ने सिक्किम के नदी-तालाब में वॉर सीन क्रिएट किया... नई दिल्ली: भारतीय वायुसेना ने थलसेना और नौसेना के साथ चीन बॉर्डर से लगे सिक्किम के हाई एल्टीट्यूड एरिया में हेलोकास्टिंग और डाइविंग एक्सरसाइज की। यह कॉम्बैट ट्रेनिंग सिक्किम जैसे दूर-दराज वाले इलाकों में सेना में शामिल तैराक और गोताखोर जवान युद्धाभ्यास करते हैं। इन जवानों को अलग-अलग क्षेत्रों में समुद्र में हेलिकॉप्टर और नावों के जरिए ड्रॉप किया जाता है, ताकि वे रियल वॉर सीन क्रिएट करके सर्चिंग और रेस्क्यू की प्रैक्टिस कर सकें। एक्सरसाइज की हालांकि सेना ने यह कॉम्बैट प्रैक्टिस कब की, इसका खुलासा नहीं किया गया है। हेलोकास्टिंग ट्रेनिंग क्या है: हेलोकास्टिंग ट्रेनिंग में सेना में शामिल तैराक और गोताखोर जवान युद्धाभ्यास करते हैं। इन जवानों को अलग-अलग क्षेत्रों में समुद्र में हेलिकॉप्टर और नावों के जरिए ड्रॉप किया जाता है, ताकि वे रियल वॉर सीन क्रिएट करके सर्चिंग और रेस्क्यू की प्रैक्टिस कर सकें।

केंद्र सरकार के गलत फैसले से समाचार पत्रों से जुड़े लाखों लोग बेरोजगार

अखंड भारत संदेश प्रयागराज । रेल बोर्ड द्वारा शुक्रवार को जारी विज्ञापन नीति में पर्याप्त फेरबदल किया गया है। इस फेरबदल से समाचार पत्र से जुड़े करोड़ों लोगों पर अपने परिवार की जीविका चलाने पर सीधा असर पड़ता दिख रहा है। बता दें कि अभी तक रेल बोर्ड अपने जनसम्पर्क विभाग के माध्यम से स्थानीय विज्ञापन एजेंट्सियों से विज्ञापन की डिजाइन बनवाकर स्थानीय व बाहरी समाचार पत्रों में प्रकाशित कराता था तथा अवकाश के दिनों या कार्यालय समय के बाद भी तत्काल निविदाओं को समाचार पत्र में अनुरोध करके प्रकाशित कराता था, जिससे समय से व सुचारू रूप से कार्य चल रहा था, लेकिन अचानक रेल बोर्ड द्वारा जारी विज्ञापन नीति में अब रेलवे के विज्ञापन डीएवीपी द्वारा प्रकाशित कराये जाने की बात की गई है और तत्काल निर्देश भी दे दिया गया है जो सभी रेलवे को प्राप्त हो गया है। उक्त निर्देश से स्थानीय समाचार पत्र एवं विज्ञापन एजेंट्सियों के लाखों-करोड़ों लोगों के सामने बेरोजगारी का संकट उत्पन्न हो जायेगा जिससे बेरोजगारी की स्थिति और भी गंभीर हो जायेगी,



कराता था, जिससे समय से व सुचारू रूप से कार्य चल रहा था, लेकिन अचानक रेल बोर्ड द्वारा जारी विज्ञापन नीति में अब रेलवे के विज्ञापन डीएवीपी द्वारा प्रकाशित कराये जाने की बात की गई है और तत्काल निर्देश भी दे दिया गया है जो सभी रेलवे को प्राप्त हो गया है। उक्त निर्देश से स्थानीय समाचार पत्र एवं विज्ञापन एजेंट्सियों के लाखों-करोड़ों लोगों के सामने बेरोजगारी का संकट उत्पन्न हो जायेगा जिससे बेरोजगारी की स्थिति और भी गंभीर हो जायेगी,

जनता दर्शन में सीएम योगी ने सुनीं 200 लोगों की समस्याएं, कहा, जन समस्या निराकरण में लापरवाही या शिथिलता अक्षम्य

जनता की समस्याओं का निराकरण सरकार की प्राथमिकता: सीएम

गोरखपुर: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों कहा है कि जनता की समस्याओं का निराकरण सरकार की प्राथमिकता है। इसमें किसी भी तरह की लापरवाही या शिथिलता अक्षम्य होगी। अधिकारी जनता की समस्याओं को गंभीरता और संवेदनशीलता से लेते हुए उनका समाधान त्वरित और संतुष्टिपरक तरीके से कराएँ। सीएम योगी ने उक्त निर्देश शनिवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में जनता दर्शन के दौरान दिए। मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के सामने जनता दर्शन में कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों तक मुख्यमंत्री खुद गए और एक-एक कर उनकी समस्याओं को सुना। मुख्यमंत्री ने इस दौरान



करीब 200 लोगों से मुलाकात की। आश्वस्त किया कि किसी को भी चिंता करने की आवश्यकता नहीं है, सबकी समस्या का समाधान हरहाल में किया जाएगा। जनता दर्शन में कई महिलाएं जमीन से जुड़े विवादों में प्रार्थना पत्र लेकर पहुंची थीं। कुछ की

समस्या घरेलू जमीन विवाद की थी तो कुछ की शिकायत थी कि दबंग उनकी जमीनों पर कब्जा करने का प्रयास कर रहे हैं। इन शिकायतों पर मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि पारिवारिक सम्पत्ति विवाद का निराकरण पहले दोनों पक्ष के बीच बातचीत कराकर किया जाए। न होने पर कानूनी तरीके से हल निकाला जाए। जमीन कब्जा की शिकायत पर उन्होंने कड़ी कार्रवाई करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि जमीन कब्जाने में पेशेवर प्रवृत्ति वालों को भू माफिया के रूप में चिन्हित कर सख्ती की जाए। किसी भी गरीब की जमीन पर कब्जा करने वालों के खिलाफ ऐसी कार्रवाई करें जो उदाहरण बने।

जानवरों जैसे पार्टनर बदलना सभ्यता नहीं: इलाहाबाद हाईकोर्ट

युवाओं को लिव-इन कॉन्सेप्ट लुभाता है, रिश्ते में स्वीकृति-ठहराव नहीं तो हताशा होती है

प्रयागराज: इलाहाबाद हाईकोर्ट ने लिव-इन रिलेशनशिप पर टिप्पणी की। कोर्ट ने कहा कि जानवरों की तरह हर मौसम में पार्टनर बदलने का कॉन्सेप्ट एक सभ्य और स्वस्थ समाज की निशानी नहीं हो सकता। व्यक्ति को शादी में जो सुरक्षा, सामाजिक स्वीकृति और ठहराव मिलता है, वह कभी भी लिव-इन रिलेशनशिप में नहीं मिल सकता। शादीशुदा लिव-इन पार्टनर से रेप करने के आरोपी व्यक्ति को जमानत देते हुए जस्टिस सिद्धार्थ की सिंगल बेंच ने कहा कि ऊपरी तौर पर लिव-इन



का रिश्ता बहुत आकर्षक लगता है, लुभाता है। समय बीतने के साथ उन्हें एहसास होता है कि इस रिश्ते की कोई सामाजिक स्वीकृति नहीं है। इससे युवाओं में हताशा बढ़ने लगती है। लिव-इन में प्रेमटट हो गई थी: सहारनपुर के रहने वाले अद्वानन पर उसकी लिव-इन पार्टनर ने रेप का आरोप लगाया था।

सम्पूर्ण समाधान दिवस मेजा में 191 शिकायत मिलीं, 5 का मौके पर हुआ निस्तारण

अखंड भारत संदेश

मेजा। मेजा तहसील सभागार में शनिवार को एसडीएम सीओ की मौजूदगी में संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया जिसमें अधिकारियों ने फरियादियों की शिकायतों को गंभीरता से सुना और उन्हें संबंधित अधीनस्थों को जल्द से जल्द निस्तारण करने के कड़े निर्देश भी दिए। बता दें कि मेजा तहसील सभागार में एसडीएम अमित गुप्ता और सीओ विमल किशोर मिश्र की मौजूदगी में संपूर्ण समाधान दिवस आयोजित किया गया। तहसीलदार नीलम उपाध्याय भी मौजूद रहें इस दौरान अधिकारियों ने फरियादियों की शिकायतों को गंभीरता से सुना और उन्हें संबंधित अधीनस्थ कर्मचारियों और अधिकारियों को निस्तारण के लिए कड़े निर्देश देकर

मेजा तहसील सभागार में शनिवार को एसडीएम सीओ की मौजूदगी में संपूर्ण समाधान दिवस में आई शिकायतों का हुआ निस्तारण



हुए कहा कि शिकायतों का बिना अनियमितता, लापरवाही के

गुणवत्तापूर्ण और एक सप्ताह में निस्तारण किया जाए। अगर कोई

भी अधिकारी कर्मचारी बिल्कुल भी लापरवाही बरतेगा तो उसके खिलाफ सख्त कार्यवाही की जाएगी। संपूर्ण समाधान दिवस में विभिन्न विभागों से कुल 191 शिकायतें आईं जिनमें से मौके पर पांच शिकायतों का निस्तारण किया गया। शिकायतों में राजस्व से 70, पुलिस से 57, विकास से 19, समाज कल्याण से 2 शिक्षा से 1 एक और अन्य से कुल 43 शिकायतें मिलीं। सभी शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए द्वय अधिकारियों ने सभी मामलों के संबंधित शिकायतों को एक सप्ताह में निस्तारण करने के लिए निर्देशित किया। इस अवसर पर प्रमुख रूप से नायब तहसीलदार ललतारा राजेंद्र सिंह, मेजा मांडा थाना के दरोगा, मेजा ब्लॉक से एडीओ समाज सुशांति पांडेय सहित अन्य विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

ग्राम रोजगार सेवक एकता संघर्ष समिति ने राज्यपाल को संदर्भित ज्ञापन भाजपा नेता योगेश शुक्ल को सौंपा



मेजा। लंबित मांगों को लेकर ग्राम रोजगार सेवक एकता संघर्ष समिति यू पी इकाई उरुवा के जिलाध्यक्ष अनिल मिश्र की अगुवाई में राज्यपाल को संदर्भित ज्ञापन भाजपा नेता योगेश शुक्ल को सौंपा गया। उल्लेखनीय है कि ज्ञापन लेने के दौरान ग्राम रोजगार सेवकों की जायज मांगों पर विस्तार से चर्चा करते हुए श्री शुक्ल ने कहा कि रोजगार सेवकों की पंजायतों के विकास में अहम भूमिका होती है। मैं आप सबकी जायज मांगों को शासन प्रशासन के अलावा राज्यपाल तक अवश्य पहुंचाने का काम करूंगा। इस मौके पर रामेश्वर यादव प्रदीप रस्तोगी उदयवीर सिंह शिशिर सिंह घनश्याम जीतबहादुर निर्दोष मिश्रा सत्येन्द्र सतीश बालगोविंद संजीव संजीत पवन इंद्रजीत पंकज आजाद तथा सचिन सहित तमाम रोजगार सेवक प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

नेरोलक पेंट द्वारा आयोजित संगोष्ठी में उपभोक्ताओं को किया गया जागरूक



जंघई। पांडेय बिल्डिंग मैटेरियल जंघई में नेरोलक पेंट द्वारा आयोजित संगोष्ठी में पेंटर्स एवं उपभोक्ताओं को जागरूक किया गया। कंपनी के अधिकारी कृष्णा केसरवाही एवं अभिषेक सिंह ने उपस्थित लोगों को पेंट की गुणवत्ता तथा प्रयोग विधि की जानकारी देते हुए नेरोलक पेंट उपयोग करने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर पांडेय बिल्डिंग मैटेरियल के प्रोपराइटर विनोद पांडेय, गुंजन पांडेय, संजय पांडेय, अंकित पांडेय सहित तमाम उपभोक्ता, पेंटर, राजमिस्त्री आदि लोग मौजूद रहे।

प्रतापपुर विधानसभा क्षेत्र से प्रवेश पांडेय भाजपा आईटी संयोजक बनाए गए

जंघई। पतावा, जंघई गांव निवासी प्रवेश पांडेय को भारतीय जनता पार्टी ने प्रतापपुर विधानसभा क्षेत्र का आईटी संयोजक एवं लालेश पटेल को सख संयोजक बनाया है। सोशल मीडिया में पार्टी एवं सरकार के कार्यक्रमों को क्षेत्र में जन जन तक पहुंचाने की जिम्मेदारी देते हुए यह नियुक्ति की गई है जिससे भाजपा एवं सरकार के कार्यक्रमों को आम जनमानस में बताया जा सके। प्रवेश पांडेय ने जिले के सभी पदाधिकारियों को धन्यवाद ज्ञापित किया एवं अपनी जिम्मेदारी को सहर्ष ग्रहण करते हुए कहा है कि मुझको पार्टी ने जो जिम्मेदारी दिया है उसका मैं पूरी ऊर्जा एवं निष्ठा से निर्वहन करूंगा तथा भारतीय जनता पार्टी के कार्यक्रमों एवं सरकार की उपलब्धियों को विस्तार से आम नागरिकों तथा प्रतापपुर विधानसभा क्षेत्र के कौनों कौने तक पहुंचाऊंगा।



शोषितो पीड़ितों को न्याय दिलाने का काम करते हैं अधिवक्ता : रीता जोशी

अखंड भारत संदेश

कोरांव। अधिवक्ता शोषित वंचित समाज को न्याय दिलाने का काम करते हैं, समाज का प्रबुद्ध वर्ग होने के नाते लोगों को न्याय दिलाने में अधिवक्ता अहम भूमिका निभाते हैं। यह बातें प्रयागराज की सांसद प्रो रीता बहुगुणा जोशी ने तहसील कोरांव में आयोजित बार एसोसिएशन के नवनिर्वाचित पदाधिकारी के शपथ समारोह को संबोधित करते हुए बताया।

मुख्य अतिथि कही। सांसद रीता जोशी ने नवनिर्वाचित अध्यक्ष अरुण कुमार तिवारी समेत सभी पदाधिकारियों को बधाई देते हुए कहा कि सभी निर्वाचित पदाधिकारियों अपने दायित्वों का निर्वहन करते हुए तहसील आने वाले फरियादियों को न्याय दिलाने का काम करें, यही हमारी आपस सब के साथ शुभकामना है। कोरांव के अधिवक्ताओं को संबोधित करते हुए सांसद ने कहा कि तहसील कोरांव में मुंशीफ कोर्ट की स्थापना के लिए मुख्यमंत्री से मिलकर बात करूंगी निश्चित

बार कोरांव के नव निर्वाचित पदाधिकारियों को पूर्व अध्यक्ष बेचन लाल सिंह ने दिलाई शपथ

कोरांव में मुंसिफ कोर्ट की स्थापना के लिए मुख्यमंत्री से करूंगी बात : सांसद

तौर पर सार्थक परिणाम के लिए सदैव पहल करती रहूंगी। केंद्र व प्रदेश के डबल इंजन की सरकार की सराहना करते हुए सांसद ने कहा कि सड़क से लेकर पेयजल, बिजली जैसे मूलभूत मुद्दों पर हम विकास कार्य कराए जा रहे हैं। उन्होंने तहसील कोरांव में अधिवक्ताओं को बैठने के लिए पूर्व में ही 15 लाख 80 हजार रूपए अपनी निधि से स्वीकृत की थी। जिससे अधिवक्ताओं को भवन



बनवाने का आह्वान किया। नवनिर्वाचित बार एसोसिएशन के अध्यक्ष अरुण कुमार तिवारी व मंत्री विंध्यवासिनी प्रसाद शुक्ला को 12 एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष बेचन लाल सिंह ने पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। जिसके बाद सपथ ले चुके नवनिर्वाचित अध्यक्ष अरुण कुमार तिवारी ने कोषाध्यक्ष राजेश शुक्ला समेत अन्य पदाधिकारियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। शपथ लेने के उपरांत

अध्यक्ष अरुण कुमार तिवारी ने कहा कि अधिवक्ताओं के हित को लेकर मैं सदैव संघर्ष करता रहूंगा उनके सम्मान को आंच नहीं आने दूंगा। समारोह में उपस्थित रहे एसडीएम कोरांव अविनाश सिंह यादव ने सभी निर्वाचित पदाधिकारियों को बधाई दी। बार एसोसिएशन के अध्यक्ष अरुण कुमार तिवारी ने आए हुए अतिथियों को अंगवस्त्रम भेंट कर सम्मानित किया। नए अध्यक्ष को गोविंद मिश्र ने स्मृति चिन्ह

40 किलो गांजा व स्कार्पियो गाड़ी के साथ तस्कर गिरफ्तार

अखंड भारत संदेश

मेजा। थाना मेजा पुलिस व एसओजी यमुनानगर की संयुक्त टीम द्वारा अन्तर्राज्यीय गांजा तस्करों के गिरोह के तीन सदस्यों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 39 किलो 30 ग्राम अवैध गांजा व परिवहन में प्रयुक्त वाहन एक स्कार्पियो बरामद किया गया। बता दें कि पुलिस उच्चाधिकारियों के निर्देशन में अवैध मादक पदार्थों के व्यापार में संलिप्त व्यक्तियों की गिरफ्तारी व बरामदगी के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में पुलिस उपायुक्त यमुनानगर व सहायक पुलिस आयुक्त मेजा विमल किशोर मिश्र के पर्यवेक्षण में थानाध्यक्ष मेजा राजेश उपाध्याय, चौकी प्रभारी मेजारोड विकास कुमार सिंह ने पुलिस टीम व एसओजी यमुनानगर की संयुक्त टीम द्वारा शनिवार को मुखबिर की सूचना पर समय करीब नौ बजे बसहरा नहर

पुलिया के पास से एक गलत नंबर प्लेट की स्कार्पियो के साथ तीन नफर अभियुक्तगणों धीरे-धीरे उर्फ धर्मेन्द्र तिवारी उर्फ राजेश पुत्र कैलाश तिवारी निवासी ग्राम सलेया थाना कपरजीत जिला सीधी मध्य प्रदेश, राजेश मिश्रा पुत्र राजपति मिश्रा निवासी बहादुरशाह नगर थाना कोरांव जनपद प्रयागराज व रामू यादव पुत्र रामइकबाल यादव निवासी ग्राम श्रीनगर मौजा पथरताल थाना कोरांव जनपद प्रयागराज को गिरफ्तार किया गया। थानाध्यक्ष राजेश उपाध्याय ने बताया कि उक्त स्कार्पियो पर लदे अवैध गांजा का वजन 39 किलो 30 ग्राम व स्कार्पियो में बदल बदलकर प्रयुक्त की जाने वाली दो अदद नम्बर प्लेट बरामद किया गया। जिसके सम्बन्ध में थाना मेजा पर एनडीपीएस एक्ट पंजीकृत कर आवश्यक विधिक कार्यवाही की गई।

न्यूज झरोखा

हम त खले जइबो सावन में कजारिया बदरिया घिर आइल ननदी

जंघई। श्री राम जानकी मंदिर जंघई में दिगत कई वर्षों से आयोजित होने वाले कजरी मेला एवं दंगल का आयोजन शनिवार को किया गया। मेले में बच्चों एवं महिलाओं तथा पुरुषों ने जमकर खरीददारी की तथा बच्चों ने झूले व खाने पीने की वस्तुओं का लुप्त उठाया। वहीं मेले में सुरक्षा की दृष्टिकोण से पुलिसफोर्स भी मौजूद रहा तथा लगातार लोगों को सुरक्षा का अहसास कराया। ग्रामवासियों के सहयोग से विगत कई वर्षों से लगातार विशाल कजरी मेला एवं दंगल का आयोजन किया जा रहा है। शनिवार को भी मंदिर परिसर में प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी मेला एवं दंगल का आयोजन किया गया।



शुद्ध हवा और स्वस्थ जीवन के लिए वृक्षारोपण जरूरी : संतोष त्रिपाठी

शंकरगढ़। योगी जी के 35 करोड़ वृक्षारोपण के लक्ष्य पूर्ति हेतु राष्ट्र हित सेवा संस्थान द्वारा नगर के पटेल नगर मोहल्ला में नागा बाबा की कुटी में वृहद वृक्षारोपण किया गया। राष्ट्रहित सेवा संस्थान गोशरा हेबर के अध्यक्ष संतोष त्रिपाठी ने वृक्षारोपण करते हुए कहा कि हमें शुद्ध हवा और स्वस्थ जीवन के लिए वृक्षों की अति महत्वपूर्ण आवश्यकता है और यह तभी संभव है जब हम सभी मिलकर वृक्ष लगाएँ और वृक्षों की कटाई को रोके। इसी लक्ष्य को देखते हुए 200 वृक्षों का रोपण किया गया। इस अवसर पर प्रेमचंद त्रिपाठी, श्याम नारायण दुबे, ज्ञानेंद्र मिश्रा, अशोक कुमार त्रिपाठी संदीप सिंह, छोटेलाल, पंकज श्रीवास्तव पुष्येंद्र पांडे, आदित्य सिंह यश सिंह, अनुराग सिंह आदि लोग उपस्थित रहे।



परिवर्तन समाज पार्टी के संस्थापक की पुण्य तिथि कार्यक्रम मांडा में आज



मेजा। मेजा क्षेत्र के औनौर गांव में शनिवार को परिवर्तन समाज पार्टी की एक बैठक पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष दुर्गा प्रसाद गुप्ता की अध्यक्षता में संपन्न हुई जिसमें पार्टी संस्थापक स्वर्गीय इंजीनियर रामलाल साहू की पांचवीं पुण्यतिथि को मनाए जाने को लेकर विचार विमर्श किया गया और सभी स्थानीय पार्टी कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों को कार्यक्रम में पहुंचने की अपील भी किया गया पुण्य तिथि कार्यक्रम कल 3 सितंबर दिन रविवार को मांडा के गिरधरपुर पेट्रोल टंकी के सामने मनाया जायेगा जिसमें मुख्य रूप से पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव कृष्ण कुमार साहू और राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राम प्रकाश गुप्ता जी उपस्थित रहेंगे। इस दौरान मुख्य रूप से अशोक कुमार गुप्ता, जय शंकर, हरिश्चंद्र गुप्ता, भरत लाल गुप्ता, शिव शंकर प्रजापति, गिरीश शर्मा, विनोद विश्वकर्मा, तेजबहादुर गुप्ता, अंजनी गुप्ता, रामपति, रमेश चंद्र आदि लोग उपस्थित रहे।

सम्मान से आगे बढ़ता है प्रतिभाओं का हुनर : रमेश

करछना। प्रतिभाओं के सम्मान से उनका हुनर आगे बढ़ता है और एक नई ऊर्जा के साथ और बेहतर करने के प्रति प्रेरित करता है। विद्यालय में पठन-पाठन के साथ-साथ विभिन्न क्षेत्रों में हुनरमंद बच्चों को तमाम कार्यक्रमों के दौरान



अपनी प्रतिभा के प्रदर्शन का मौका मिलता है। ऐसे बच्चों को सम्मानित किए जाने से उनका हौसला बढ़ता है। यह बातें क्षेत्र की रामपुर स्थित बृजमंगल सिंह इंटर कॉलेज में दिगत दिनों आजादी अमृत महोत्सव के दौरान हुई तमाम बाल प्रतियोगिताओं के प्रतिभागी विजेता बच्चों को सम्मानित करते हुए एनसीसी अधिकारी रमेश चंद्र तिवारी ने कही। उन्होंने बच्चों को और भी बेहतर प्रदर्शन के प्रति प्रेरित किया। संगीत शिक्षिका मोहिनी श्रीवास्तव ने भी जूनियर वर्ग के प्रतिभागी बच्चों की हौसला अफजाई की। इस दौरान पहले क्रम में कविता, लोकगीत, नृत्य प्रतियोगिता के बेहतर रहे बच्चों को मेडल देकर सम्मानित किया गया। अन्य प्रतियोगिताओं के स्थान पाने वाले बच्चों को प्रधानाचार्य द्वारा सोमवार को विद्यालय परिसर में सम्मानित किया जाएगा।

घर का ताला तोड़ कर अज्ञात चोरों ने जेवररात, नगदी सहित लाखों के माल पर किया हाथ साफ

मऊआइमा। मऊआइमा में अज्ञात चोरों ने एक घर को निशाना बनाते हुए घर का ताला तोड़ कर कमरे में दाखिल हो गए। कमरे में रखा बचका तोड़ कर जेवररात, नगदी सहित लाखों के माल पर हाथ साफ कर दिए। मुक्तभोगी ने अज्ञात चोरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करा दिया है। मऊआइमा थाना क्षेत्र के बुआ पुर गांव निवासी रमेश चंद्र पुत्र स्व राम जियाराम को मुलाधिक उन्का परिवार रात में किसी कार्यक्रम में गया हुआ था। जब सुबह आया तो देखा कि अज्ञात चोरों ने घर का ताला तोड़ कर कमरे में दाखिल हो गए बचका तोड़ कर बचसे में रखा 28 हजार नगदी तथा सोने के कान का झुमका, नथिया, एक पाच चांदी का जेवर चोर चोरी कर ले गए। मुक्तभोगी ने अज्ञात चोरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करा दिया है। मुकदमा दर्ज कर पुलिस चोरी का पता लगाने में जुट गई है।

फांसी पर लटका मिला विवाहिता का शव

पति, सांस, ससुर सहित आधा दर्जन नामजद विवाहिता के मौत पर परिजनों ने दिया धरना

अखंड भारत संदेश

मांडा। प्रयागराज मांडा थाने क्षेत्र में एक विवाहिता की संदिग्ध दशा में मौत हो गई। ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची मांडा पुलिस शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दी। फूल मंडी नैनी निवासी धर्मेन्द्र सोनकर बहन पूजा सोनकर का शव बंद कमरे में साड़ी से बने फंदे में लटकता मिला ग्रामीणों ने इसकी सूचना मांडा पुलिस को दी मौके पर पहुंची पुलिस ने दरवाजे को तोड़कर शव फंदे से नीचे उतार कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया वहीं मायके पक्ष के मृतका के भाई धर्मेन्द्र कुमार सोनकर ने मांडा थाने में तहरीर देकर बताया कि उसकी बहन को ससुराल के लोगों ने दहेज के लिए आए दिन प्रताड़ित किया करते थे जो बीते त्योहार रक्षाबंधन पर आने



के लिए कह रही थी और आगे बताया कि ससुराल के लोगों ने दहेज के लिए आए दिन मुझे मारा पीटा करते हैं जिसमें उसके पति देवीलाल सोनकर पुत्र गुलाब सोनकर, करन सोनकर, कन्हैया सोनकर, पुत्र अज्ञात रेशम सोनकर पुत्री गुलाब सोनकर निवासी मांडा आए दिन मेरी बहन को प्रताड़ित करते थे मृतका के भाई के तहरीर

खेत में जानवर चले जाने के विवाद में पार पीट तीन घायल, मुकदमा दर्ज

मऊआइमा। मऊआइमा थाना क्षेत्र के अलावलपुर गांव में खेत में जानवर चले जाने के विवाद में दबंगों ने लाठी डंडों से पीट पाट कर तीन को घायल कर दिया। तथा जाति सूचक गालियों से नवाजा गया। मुक्तभोगी की तहरीर पर पुलिस ने तीन के खिलाफ मार पीट एस सी एस टी की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। मऊआइमा के अलावलपुर गांव निवासी पप्पू पुत्र स्व राम औतार के मुताबिक उन के खेत में धान की फसल लगी हुई है। बताया गया कि विपक्षी का जानवर खेत में जाकर धान को नुकसान कर रहा था। मना करने पर मेरे पुत्र विष्णु को लाठी डंडों से मारने पीटने लगे जब मेरी पुत्री उषा व पुत्र अजय बीच बचाव करते लगे तो उन को भी मार पीट कर घायल कर दिए। जिस से सिर में गम्भीर चोट आई है तथा जाति सूचक मा बहन की भद्दी भद्दी गालिया दी। पप्पू ने मऊआइमा थाने में तहरीर दे कर पड़ोस के ही रिश्ते, सुनील यादव, मोटे के खिलाफ मार पीट तथा एस सी एस टी एक्ट में मुकदमा दर्ज करा दिया है।

शोकाकुल परिवार से मिली सांसद रीता जोशी, दी आर्थिक सहायता

अखंड भारत संदेश

बारा। भाजपा सांसद रीता जोशी ने शनिवार को यमुनानगर क्षेत्र का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने बारा के सुंदरपुर गांव पहुंचकर मृतक चंद्रशेखर भारतीय के परिजनों से मुलाकात की। मृतक की पत्नी निशा देवी और मां केवली देवी से मिलकर बांडस बढ़ाते हुए कहा कि वह और भाजपा सरकार उनके साथ खड़ी है। हत्यापीठियों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्यवाही की जाएगी। किसी को भी बक्शा नहीं जाएगी। उन्होंने मृतक चंद्रशेखर भारतीय के तीनों बच्चों की पढ़ाई लिखाई के लिए एसडीएम बारा को निर्देशित किया। सांसद ने कहा कि मृतक के परिवार को प्रदेश सरकार की तरफ से आर्थिक सहायता के अलावा अन्य सभी प्रकार की संभव सहायता दिलाई जाएगी। इस दौरान सांसद ने मृतक की पत्नी को 20000 रुपये की नगद सहायता राशि प्रदान करते हुए आगे भी मदद का



आश्वासन दिया। सांसद ने कहा कि प्रयागराज में कमिश्नरेंट प्रणाली लागू होने के बाद से यमुनापर की कानून व्यवस्था रूढ़ि, भूमि का पट्टा जल्द देने को कहा, क्योंकि ये भूमिहीन तो हैं ही, इनके तीन छोटे-छोटे बच्चे भी हैं। सांसद ने चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि कमिश्नरी प्रणाली लागू होने के बाद यमुनापर में कानून व्यवस्था लचर हो गई है उन्होंने सुंदरपुर की घटना

को मुख्यमंत्री जी से भी अवगत कराया है, जिसे मुख्यमंत्री जी ने गंभीरता से लिया है। उन्होंने कहा कि जहाँ आज पूरा देश उत्तर प्रदेश की कानून व्यवस्था की तारीफ कर रहा है, तो वहीं कुछ स्थान पर कुछ लोग निरंतर कानून व्यवस्था से खिलवाड़ कर रहे हैं। ऐसे लोगों को किसी भी सूत्र में बख्शा नहीं जाएगी। उन्होंने पुलिस को भी आड़े हाथ लेते हुए कहा कि किसी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इस मौके पर दलित समाज के कई लोगों ने अपनी समस्याओं से उन्हें अवगत कराया। जिसके लिए उन्होंने अधिकारियों को फोन करके तत्काल काम किए जाने की बात कही। इस मौके पर मुख्य रूप से संत प्रसाद पांडेय, राजेश त्रिपाठी, भोलानाथ दुबे, भैयन पांडे, मनोज वर्मा, आनंद कुमार, ग्या प्रसाद त्रिपाठी, अमित दुबे, अनिल मिश्रा, विमलेश पासवान, रंदेश पासवान, रंजनीश आदिवासी, राजेश आदिवासी सहित कई लोग उपस्थित रहे।

शोषितो पीड़ितों को न्याय दिलाने का काम करते हैं अधिवक्ता : रीता जोशी

अखंड भारत संदेश

कोरांव। अधिवक्ता शोषित वंचित समाज को न्याय दिलाने का काम करते हैं, समाज का प्रबुद्ध वर्ग होने के नाते लोगों को न्याय दिलाने में अधिवक्ता अहम भूमिका निभाते हैं। यह बातें प्रयागराज की सांसद प्रो रीता बहुगुणा जोशी ने तहसील कोरांव में आयोजित बार एसोसिएशन के नवनिर्वाचित पदाधिकारी के शपथ समारोह को संबोधित करते हुए बताया।

मुख्य अतिथि कही। सांसद रीता जोशी ने नवनिर्वाचित अध्यक्ष अरुण कुमार तिवारी समेत सभी पदाधिकारियों को बधाई देते हुए कहा कि सभी निर्वाचित पदाधिकारियों अपने दायित्वों का निर्वहन करते हुए तहसील आने वाले फरियादियों को न्याय दिलाने का काम करें, यही हमारी आपस सब के साथ शुभकामना है। कोरांव के अधिवक्ताओं को संबोधित करते हुए सांसद ने कहा कि तहसील कोरांव में मुंशीफ कोर्ट की स्थापना के लिए मुख्यमंत्री से मिलकर बात करूंगी निश्चित

तौर पर सार्थक परिणाम के लिए सदैव पहल करती रहूंगी। केंद्र व प्रदेश के डबल इंजन की सरकार की सराहना करते हुए सांसद ने कहा कि सड़क से लेकर पेयजल, बिजली जैसे मूलभूत मुद्दों पर हम विकास कार्य कराए जा रहे हैं। उन्होंने तहसील कोरांव में अधिवक्ताओं को बैठने के लिए पूर्व में ही 15 लाख 80 हजार रूपए अपनी निधि से स्वीकृत की थी। जिससे अधिवक्ताओं को भवन बनवाने का आह्वान किया। नवनिर्वाचित बार एसोसिएशन के अध्यक्ष अरुण कुमार तिवारी व मंत्री विंध्यवासिनी प्रसाद शुक्ला को 12 एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष बेचन लाल सिंह ने पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। जिसके बाद सपथ ले चुके नवनिर्वाचित अध्यक्ष अरुण कुमार तिवारी ने कोषाध्यक्ष राजेश शुक्ला समेत अन्य पदाधिकारियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। शपथ लेने के उपरांत अधिवक्ताओं के हित को लेकर मैं सदैव संघर्ष करता रहूंगा उनके सम्मान को आंच नहीं आने दूंगा। समारोह में उपस्थित रहे एसडीएम कोरांव अविनाश सिंह यादव ने सभी निर्वाचित पदाधिकारियों को बधाई दी। बार एसोसिएशन के अध्यक्ष अरुण कुमार तिवारी ने आए हुए अतिथियों को अंगवस्त्रम भेंट कर सम्मानित किया। नए अध्यक्ष को गोविंद मिश्र ने स्मृति चिन्ह

बधाई देते हुए बार और बेंच के बीच तारतम्य मिलाकर वादों का निपटारा करने सहयोग की अपील की। बार एसोसिएशन के अध्यक्ष अरुण तिवारी ने आए हुए अतिथियों को अंगवस्त्रम भेंट कर सम्मानित किया। नए अध्यक्ष को गोविंद मिश्र ने स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। अधिवक्ताओं के शपथ समारोह की अध्यक्षता बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष बाल गोविंद पांडे संचालन एडवोकेट गजेंद्र सिंह ने किया। शपथ समारोह में प्रमुख रूप से पूर्व ब्लाक प्रमुख रामअवध कुशवाहा, पूर्व चेयरमैन कोरांव नरसिंह कुमार केसरी, शशि द्विवेदी, भोला सिंह, तुलसीदास राणा, बलराम द्विवेदी, बबुआन द्विवेदी, पूर्व अध्यक्ष मोतीलाल कुशवाहा, पूर्व अध्यक्ष अरुण कुमार तिवारी ने कहा कि अधिवक्ताओं के हित को लेकर मैं सदैव संघर्ष करता रहूंगा उनके सम्मान को आंच नहीं आने दूंगा। समारोह में उपस्थित रहे एसडीएम कोरांव अविनाश सिंह यादव ने सभी निर्वाचित पदाधिकारी को

कौशाम्बी संदेश

मेडिसिटी हास्पिटल मेडिकल कॉलेज की बस ने बाइक सवार को कुचला मौत

अखंड भारत संदेश

कौशाम्बी। चरवा थाना क्षेत्र के नोहरी का पुरवा गांव के पास अनियंत्रित यूनाइटेड मेडिसिटी हास्पिटल मेडिकल कॉलेज रावतपुर को बस ने बाइक सवार को कुचल दिया है जिससे इलाज के दौरान बाइक सवार की मौत हो गई है मौत की जानकारी मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया है सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने बाइक सवार के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है बाइक सवार एयरपोर्ट थाना क्षेत्र का रहने वाला है। जानकारी के मुताबिक प्रयागराज जनपद के एयरपोर्ट थाना क्षेत्र के इंगुआ फाठ गांव निवासी हाशिम अली पुत्र कुतुब अली शनिवार की सुबह मोटरसाइकिल से चरवा थाना क्षेत्र के तलाहा गांव दवा लेने जा रहा था जैसे ही बाइक सवार हाशिम अली चरवा थाना क्षेत्र के नोहरी का पुरवा के पास पहुंचे अनियंत्रित तेज गति से आ रही यूनाइटेड मेडिसिटी हास्पिटल मेडिकल कॉलेज रावतपुर प्रयागराज की बस ने बाइक सवार को कुचल दिया है जिससे बाइक सवार वाहन समेत सड़क पर गिर पड़ा और गंभीर

हादसे के बाद निर्दयी बस चालक घायल का इलाज करने के बजाय मौके से बस सहित फरार हो गया, मेडिकल कॉलेज संचालक और बस चालक के प्रति लोगों में जबरदस्त आक्रोश व्याप्त



तरीके से लहू लुहान हो गया हादसा देखकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे मामले को सूचना पुलिस को दी गई घायल को एंबुलेंस के जरिए इलाज के लिए चालक अस्पताल पहुंचा गया लेकिन तब तक देर हो चुकी थी घायल की मौत हो गई हादसे के बाद निर्दयी बस चालक घायल का इलाज करने के बजाय मौके से बस

सहित फरार हो गया है जिससे लोगों में मेडिकल कॉलेज संचालक और बस चालक के प्रति जबरदस्त आक्रोश व्याप्त है सूचना पाकर मौके पर पहुंची थाना पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है हादसे को जानकारी मिलते ही मृतक के परिजन रोते बिलखते स्थल पर पहुंच गए हैं।

तेज रफ्तार बाइक की टक्कर से अधेड़ की हुई मौत

हादसे में बाइक सवार भी गम्भीर घायल अस्पताल में चल रहा इलाज

कौशाम्बी। पिपरी थाना क्षेत्र के चालक पुलिस चौकी अन्तर्गत मोहम्मदपुर गांव के पास तेज रफ्तार बाइक सवार और साइकिल सवार में जोरदार टक्कर हो गई है इस हादसे में बाइक सवार और साइकिल सवार दोनों घायल हो गए हैं घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है इलाज के दौरान शनिवार की सुबह साइकिल सवार अधेड़ की मौत हो गई घटना शुक्रवार की शाम करीब 6 बजे की है मौत की जानकारी मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया मामले की सूचना पुलिस को दी गई है सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है जानकारी के मुताबिक पिपरी थाना क्षेत्र के मोहम्मद पुर निवासी धर्मपाल उम्र लगभग 60 वर्ष पुत्र स्व बुदुल पत्नी शुकवार की शाम को साइकिल से रोड़ क्रॉस कर घर जा रहे थे इन्ही बीच कदिलपुर निवासी बाइक सवार मनौरी से चालक की ओर जा रहे थे मोहम्मद पुर गांव के पास बाइक और साइकिल की आमने-सामने जोरदार टक्कर हो गयी हादसे में बाइक और साइकिल सवार दोनों सड़क पर गिर पड़े और गंभीर रूप से घायल हो गए आसपास के लोगों ने घटना को देखा तो मौके पर पहुंचे बचाव एवं राहत कार्य शुरू किया मामले की सूचना पुलिस को दिया घायलों को इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया मामले की जानकारी मिलती ही घायलों के परिजन भी पहुंच गए इलाज के दौरान शनिवार सुबह साइकिल सवार धर्मपाल की मौत हो गई मौत की जानकारी मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया सूचना पर पहुंची पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है बताया जाता है की बाइक सवार पिपरी थाना क्षेत्र के कदिलपुर के रहने वाले हैं और एक बाइक सवार की हालत गंभीर है जिसका इलाज अस्पताल में चल रहा है।



तहसील दिवस की स्थिति खराब शिकायतें हुई 133 निस्तारित हुई 11

तहसील दिवस मंझनपुर में डीएम एसपी ने सुनी जनशिकायतें, बैठी जनता के सामने सीएम खड़े होकर करते हैं सुनवाई लेकिन यहां तो है उसके उल्टा फरियादियों को नहीं मिलती बैठने की व्यवस्था



कौशाम्बी। जिलाधिकारी सुजीत कुमार एवं पुलिस अधीक्षक बृजेश कुमार श्रीवास्तव ने तहसील मंझनपुर में जनशिकायतों को सुना एवं सम्बन्धित अधिकारियों को गुणवत्तापूर्ण व समयान्तर्गत निस्तारित करने के निर्देश दिये। जिलाधिकारी ने राजस्व से सम्बन्धित शिकायतों पर राजस्व एवं पुलिस की संयुक्त टीम को मौके पर जाकर शिकायत को निस्तारित करने के निर्देश दिये। जिलाधिकारी ने सभी अधिकारियों से कहा कि मुख्यमंत्री की जनता दर्शन आड0जी0आर0एस0, तहसील दिवस एवं जनता दर्शन में प्राप्त शिकायतों का निस्तारण समयान्तर्गत एवं गुणवत्तापूर्ण सुनिश्चित किया जाय, शिकायत का निस्तारण गुणवत्तापूर्ण न पाये जाने पर सम्बन्धित अधिकारी को प्रतिकूल प्रविष्टि दी जायेगी। उन्होंने सभी अधिकारियों को आड0जी0आर0एस0 प्रोफाइल अपडेट करने के भी निर्देश दिये। उन्होंने सम्बन्धित अधिकारियों को राजस्व वादों के निस्तारण में तेजी लाने के निर्देश दिये। सम्पूर्ण समाधान दिवस में कुल 41 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिसमें से 04 शिकायतों का निस्तारण मौके पर ही कर दिया गया। समाधान दिवस में शिकायतकर्ता सभी देवी निवासीनी रामपुर बसोहरा वार्ड नं0-13 अटल बिहारी वाजपेयी नगर ने प्रार्थना पत्र देकर अवगत कराया कि पात्र होने के बावजूद भी उनका नाम प्रधानमंत्री आवास योजना की सूची से काट दिया गया गया है, जिस पर जिलाधिकारी ने पी0ओ0 डूंडा को जॉच कर आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये। इसी प्रकार केशन लाल, निवासी ग्राम-हिस्साबद ने प्रार्थना देते हुए अपनी दिव्यंग पुत्री को दिव्यांगता पेंशन एवं ट्यूड साइकिल दिये जाने की मांग पर जिलाधिकारी ने जिला दिव्यंगजन सशक्तिकरण अधिकारी को जॉच कर आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। शिकायतकर्ता शजिय बेगम निवासीनी-कृष्ण नगर, करारी ने प्रार्थना पत्र देते हुए भूमिधरी पर बतौर वारिस नाम दर्ज कराये जाने के अनुरोध पर जिलाधिकारी ने डूंडा0नायब तहसीलदार को जॉच कर आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये। तहसील सिराथू में कुल 55 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिसमें से 04 शिकायतों का निस्तारण मौके पर ही कर दिया गया तथा तहसील चायल में कुल 37 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिसमें से 03 शिकायत का निस्तारण मौके पर ही कर दिया गया इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी डॉ0 रवि किशोर त्रिवेदी, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ0 सुषेन्द्र कुमार, उप जिलाधिकारी आकाश सिंह एवं क्षेत्राधिकारी सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारी उपस्थित रहे।

पुलिस पार्टी पर हमला करने वाले भैंस चोरों को एक माह बाद भी नहीं खोज पाई चरवा पुलिस

अखंड भारत संदेश

कौशाम्बी। तीन अगस्त की रात चरवा पुलिस और बदमाशों के बीच मुठभेड़ हुई थी। दोनों तरफ से फायरिंग हुई लेकिन किसी को गोली नहीं लगी। गलीमत यह रही कि मुठभेड़ के दौरान चरवा पुलिस के जवान बाल - बाल बच गए थे। पुलिस पार्टी पर फायर झोंका था फायर पर फायर झोंकने में शामिल एक बदमाश को मौके से पुलिस के जवानों ने दौड़ाकर पकड़ लिया और बाकी बदमाश फरार होने में सफल हो गए थे। पकड़े गए बदमाश से चरवा पुलिस ने पूछ - ताछ करने के बाद जेल भेज दिया। तमाम अहम सुराग भी मिले लेकिन उसके बाद भी पुलिस किसी नतीजे पर नहीं पहुंच सकी। एक बदमाश को जेल भेजने के बाद चरवा पुलिस बैरिस्ट्रींग कर बदमाशों को चारों तरफ से घेर लिया था। पुलिस से थिरता हुआ देख टवेरा सवार बदमाशों ने चरवा पुलिस के ऊपर तमचे से फायर झोंक दिया। बदमाशों के तमचे से निकली गोली पुलिस जौप के बोनट में धा धरती और पुलिस के जवान को - बाल बच गए थे। अत्याधुनिक असलहों से लैश चरवा पुलिस के जवानों ने भी जवाबी फायरिंग की लेकिन पुलिस पार्टी के ऊपर हमला के दौरान पुलिस का अचूक निशाना काम नहीं आया। पुलिस पार्टी पर फायर झोंकते हुए

भैंस चोरी कर भाग रहे टवेरा सवार बदमाशों ने पुलिस पार्टी के ऊपर झोंका था फायर



बदमाश लाल टवेरा गाड़ी यूपी 70 ए 00629 और चोरी की गई भैंस को छोड़कर भाग निकले। मौके से भाग रहे एक बदमाश को पुलिस के जवानों ने धर दबोचा और जेल भेज दिया। चरवा पुलिस एक माह के बाद भी पुलिस पार्टी पर जानलेवा हमला करने में शामिल अन्य बदमाश और टवेरा गाड़ी मालिक तक नहीं पहुंच पाई है जिससे चरवा पुलिस की कार्यशैली पर तमाम सवाल खड़े हो रहे हैं।

अनियंत्रित स्कूलीवैन रोडवेज से भिड़ी दर्जनों स्कूली बच्चे घायल

गंभीर हालत में घायल दो छात्रों को इलाज के लिए भेजा गया जिला अस्पताल, स्कूल वैन चालक की बड़ी लापरवाही से हुआ हादसा

अखंड भारत संदेश

कोखराज कौशाम्बी। सदीपनघाट थाना क्षेत्र के सकाड़ा के पास स्कूली बच्चों को घर छोड़ने जा रही अनियंत्रित तेज रफ्तार स्कूलीवैन रोडवेज बस से टकरा गई है जिससे स्कूली वैन में सवार दर्जनों बच्चे घायल हो गए हैं मौके पर चीख पुकार मच गई है हादसा देख मौके पर लोगों की भीड़ लग गई है मामले की सूचना पुलिस को दी गई है और घायल बच्चों को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया है दो बच्चों की हालत गंभीर होने पर उन्हें इलाज के लिए जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया है हादसे के बाद रोडवेज बस चालक बस लेकर मौके से फरार होने लगा जिसका पीछा कर ग्रामीणों ने रोडवेज बस को रोक लिया है घटना की जानकारी मिलते ही स्कूली बच्चों के परिजन घटनास्थल पर पहुंच गए हैं जिनमें जबरदस्त आक्रोश व्याप्त है सूचना पाकर घटनास्थल पर भारी पुलिस फोर्स पहुंच गई है। जानकारी के मुताबिक शनिवार को दोपहर बाद उर्मिला विजय इंटर कॉलेज की वैन बच्चों को वापस घर छोड़ने जा रही थी स्कूली वैन विपरीत दिशा में जा रही थी अपने बाएं साइड से आ रही रोडवेज बस में स्कूली वैन जोरदार टक्कर के साथ टकरा गई टक्कर लगते ही



स्कूली वैन के अंदर चीख पुकार मच गई हादसा देखकर आसपास के तमाम लोग मौके पर पहुंचे और घायल बच्चों को वैन से बाहर निकाला मामले की सूचना पुलिस को दी गई एंबुलेंस के जरिए घायल बच्चों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया दो बच्चों की हालत गंभीर होने पर उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया है इस हादसे में स्कूली वैन के चालक की घोर लापरवाही उजागर हुई है। इस हादसे में मो गौतम(12) पुत्र शकीलुलु हसन, अब्दुल अहमद(13) पुत्र कुतुबउद्दीन सादिक दर्जन भर अन्य बच्चे घायल हुए हैं,वही दो बच्चों की हालत नाजुक बताई जा रही है बताया जाता है कि फतेहपुर जनपद की रोडवेज बस



संख्या यूपी 71 टी 7484 कानपुर की तरफ से प्रयागराज की तरफ जा रही थी अचानक उल्टी दिशा से स्कूल वैन का चालक तेज रफ्तार से घुस आया जब तक रोडवेज बस चालक कुछ समझ पाता स्कूल वैन ने रोडवेज बस को जोरदार टक्कर मार दी जिससे स्कूली बच्चे घायल हो गए हैं मामले में स्कूल वैन चालक की बड़ी लापरवाही उजागर हुई है यह तो संयोग अच्छा था कि कोई बड़ी घटना होने से बच गई घटना के बाद बस चालक मौके से फरार होने लगा ग्रामीणों ने काफी दूर तक बस का पीछा करने के बाद रोडवेज बस को रोक ली है खबर लिखे जाने तक स्कूल वैन चालक को पुलिस ने गिरफ्तार कर हवालात में नहीं डाला है।

सिटी स्कैन सेंटर में शार्ट सर्किट से लगी आग

कौशाम्बी। जनपद मुख्यालय मंझनपुर स्थित संयुक्त जिला चिकित्सालय के सिटी स्कैन सेंटर में शनिवार को दोपहर अचानक आग लग गई देखते-देखते लपेट उठने लगी आग लगते ही अस्पताल परिसर में भगदड़ मच गई लोग जान बचाकर इधर-उधर भागने लगे मामले की सूचना फायर ब्रिगेड को दी गई मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड टीम ने पानी की बोझाल डालकर आग पर काबू पाया है इस घटना में किसी के हाताहत होने की सूचना नहीं है सिटी स्कैन सेंटर में आग लगने की घटना के बाद जिला अस्पताल की व्यवस्थाओं पर तमाम सवाल खड़े हो गए हैं आखिर कितनी घटिया क्वालिटी की विद्युत तार केबिल और विद्युत उपकरण से जिला अस्पताल में विद्युत वायरिंग कराई गई है जिससे जिला अस्पताल में विद्युत शार्ट सर्किट होने लगता है।

आबकारी प्रवर्तन और पुलिस ने चार लोगों को गिरफ्तार कर 40 लीटर बरामद किया शराब

कड़ा कौशाम्बी। कड़ा धाम थाना पुलिस ने आबकारी निरीक्षक प्रवर्तन और आबकारी निरीक्षक के सहयोग से थाना क्षेत्र के हब्बू नगर और सौरई बुजुर्ग गांव में दो घरों में छापा मार कर 40 लीटर शराब और शराब बनाने के उपकरण महुआ यूरिया आदि बरामद किया है मौके से पुलिस ने दंपति सहित चार लोगों को गिरफ्तार किया है शराब भट्टी संचालन के आरोप में चारों लोगों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर पुलिस ने अदालत में पेश किया है। जानकारी के मुताबिक कड़ा धाम थाना क्षेत्र के हब्बू नगर में आशा देवी पत्नी शिवलाल शराब की अवैध भट्टी संचालन में लिप्त थी आबकारी निरीक्षक प्रवर्तन प्रयागराज को जानकारी मिली जिस पर

शराब बनाने के उपकरण यूरिया महुआ आदि सामान मौके से बरामद

आबकारी प्रवर्तन की टीम कड़ा धाम थाना क्षेत्र पहुंची और थाना पुलिस के सहयोग से भट्टी संचालकों के घर आबकारी टीम पहुंच गई जहां मौके पर 20 लीटर शराब और शराब बनाने के उपकरण मिले हैं इसके बाद आबकारी निरीक्षक थाना कड़ा धाम पुलिस के साथ सौरई बुजुर्ग गांव पहुंची जहां महेश कुमार के घर शराब बनाई जा रही थी पुलिस ने मौके से महेश कुमार व उसकी पत्नी राजकुमारी को गिरफ्तार कर लिया है टीम ने 20 लीटर शराब यूरिया आदि बरामद किया है लिखा पढ़ी कर पुलिस ने चारों आरोपियों को न्यायालय में पेश किया है।

हिनौता मोड़ से बालक गायब

कौशाम्बी। महवा घाट थाना क्षेत्र के हिनौता मोड़ से 1 सितंबर को दोपहर को एक बालक रहस्य मय परिस्थितियों में गायब हो गया है बालक के गायब होने की जानकारी मिलने के बाद परिजन परेशान हो गए हैं संभावित स्थानों पर बालक की खोजबीन की गई है लेकिन तमाम प्रयास के बाद भी बालक की जानकारी नहीं मिल सकी है मामले की सूचना बालक के परिजनों ने स्थानीय पुलिस को दिया है। जानकारी के मुताबिक फतेहपुर जनपद के धाता थाना अंतर्गत बम्हरीली गांव निवासी अंशुमान सिंह उर्फ प्रिंस उम्र 17 वर्ष पुत्र वीरेश सिंह 1 सितंबर को हिनौता मोड़ पर आए थे उसके बाद वह अचानक गायब हो गए हैं घर वापस न पहुंचने पर परिजन परेशान हो गए हैं गायब बालक की काफी खोजबीन की गई है लेकिन गायब बालक का सुराग दूसरे दिन भी नहीं लग सका है।

सीओ कार्यालय से वापस लौट रहे युवक को ससुराली जनों ने बेरहमी से पीटा

कौशाम्बी। चरवा थाना क्षेत्र के धर्मनंदा गांव निवासी गौराल उर्फ अनिल कुमार पुत्र शंकर लाल का अपनी पत्नी पूजा यादव से विवाद चल रहा है पूर्व में चरवा पुलिस ने 02 अगस्त को गौराल को 107- 16 शांति भंग में पाबंद कर उप जिला अधिकारी घायल की अदालत में पेश करने के लिए अपने निवास में लिया था पुलिस विभाग में मौजूद गौराल के घर में उसकी पत्नी अपने भाई और बहनोई के साथ पहुंची और गौराल की मां को मारपीट कर बक्से का ताला तोड़कर घर से जेवर नगदी लूट ले गई थी इस मामले की शिकायत गौराल ने थाना चरवा पुलिस से लेकर पुलिस अधीक्षक तक से की थी इसी मामले के बयान के लिए गौराल को सीओ कार्यालय घायल में 31 अगस्त को बुलाया गया था बयान देने के बाद सीओ कार्यालय में समझौते की बात होने लगी जिस पर गौराल ने समझौते से इनकार कर दिया जैसे ही सीओ कार्यालय से गौराल बाहर निकला कुछ दूर पहुंचा था कि उसकी पत्नी अपने भाई-बहनोई सह अन्य लोगों के साथ गौराल को रोक लिया गाली-गलौज करते हुए मारने पीटने लगे आरोप है कि उसके पास मौजूद मोबाइल और रुपय भी छीन लिया गए हैं इसी बीच मौके पर गौराल की मां पहुंच गयी उसके पास साथ भी पत्नी लीला और मारपीट की गई है गौराल का कर्ना है कि उसकी मां से भी लौटिए व अन्य सामान छीन लिया गया है चौकी पुलिस को हतैरी दी है लेकिन खबर लिखे जाने तक मामले में कोई कार्यवाही नहीं हुई है।

आकांक्षात्मक विकास खण्ड की निर्धारित इण्टीकेटर्स के प्रति की डीएम ने की समीक्षा

अखंड भारत संदेश

कौशाम्बी। जिलाधिकारी सुजीत कुमार द्वारा तहसील सभागार मंझनपुर में आकांक्षात्मक विकास खण्ड मंझनपुर एवं कौशाम्बी की निर्धारित इण्टीकेटर्स की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की बैठक में जिलाधिकारी ने आकांक्षात्मक विकास खण्ड मंझनपुर एवं कौशाम्बी के इण्टीकेटर्स की समीक्षा के दौरान बाल विकास व पुष्टाहार, पशुपालन, स्वास्थ्य एवं ऊर्जा विभाग के इण्टीकेटर्स की प्रगति काफी कम पाये जाने पर नाराजगी प्रकट करते हुए सम्बन्धित अधिकारियों-सीडीपीओ, प्रभारी चिकित्सा अधिकारी सामुदायिक स्वास्थ्य

इण्टीकेटर्स में अपेक्षित प्रगति न पाये जाने पर अधिकारियों से स्पष्टीकरण प्राप्त करने के निर्देश

केन्द्र मंझनपुर व कनैली मुख्य पशु चिकित्साधिकारी एवं अधिशासी अभियंता विद्युत से स्पष्टीकरण प्राप्त करने के निर्देश दिये। उन्होंने सम्बन्धित अधिकारियों को इण्टीकेटर्स में तेजी से प्रगति लाने के निर्देश देते हुए कहा कि प्रगति न पाये जाने पर सख्त कार्यवाही की जायेगी बैठक में मुख्य विकास अधिकारी डॉ0 रवि किशोर त्रिवेदी एवं परियोजना निदेशक डीसी मनोरमा मनोज वर्मा सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारी उपस्थित रहे।

संदीपन घाट पर तीन दिन पहले गंगा में डूबे एक किशोर का मिला शव

अखंड भारत संदेश

कौशाम्बी। जिले के कोखराज थाना क्षेत्र के संदीपन घाट पर करारी थाना क्षेत्र के दो किशोर दोस्त बुधवार को गंगा नहाने आए हुए थे,गंगा नहाने के दौरान दोनों दोस्त अचानक गहरे पानी में चले गए और डूब गए,गंगा नहा रहे और लोगों ने उन्हें डूबते देखा तो शोर मचाया,शोर सुनकर स्थानीय लोग गंगा में कूद गए लेकिन सफलता नहीं मिल सकी। ग्रामीणों की सूचना पर कोखराज थाना पुलिस पहुंची और स्थानीय गोताखोरों की मदद से उन्हें खोजने का प्रयास किया गया लेकिन सफलता नहीं मिल सकी,जिसके बाद घाट पर डीएम सुजीत कुमार और एसपी बृजेश कुमार श्रीवास्तव भी पहुंचे और एसडीआरएफ की टीम को बुलाकर दोनों को खोजने के

दूसरे किशोर का अभी नहीं मिला सका शव

निर्देश दिए,कोखराज थाना पुलिस और एसडीआरएफ की टीम की दो दिन की कड़ी मशकत के बाद शुक्रवार को प्रयागराज जनपद के जहानाबाद गंगा घाट से एक किशोर का शव बरामद कर लिया गया है। पुलिस टीम के बरामद शव की शिनाख्त के लिए दोनो किशोर के परिजनों को बुलाया गया जिसके बाद बहन ने शव की शिनाख्त अपने भाई सुनील के रूप के की है।सुनील की बहन ने बताया कि उसके भाई के हाथ में ३५ का टैटू बना हुआ था,जिससे उसकी शिनाख्त हो गई है पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और जांच में जुट गई।

न्यूज झरोखा

राजस्थान सरकार द्वारा अधिवक्ता सुरक्षा बिल पारित किए जाने पर कौशाम्बी के अधिवक्ताओं ने किया स्वागत

कौशाम्बी। राजस्थान की कांग्रेस सरकार द्वारा अधिवक्ताओं की सुरक्षा के लिए अधिवक्ता सुरक्षा बिल पारित किए जाने पर मॉडल डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन कौशाम्बी के अध्यक्ष राकेश जायसवाल महामंत्री लक्ष्मी कांत त्रिपाठी, कोषाध्यक्ष रामसागर द्विवेदी, वरिष्ठ उपाध्यक्ष मान सिंह, उपाध्यक्ष कौशलेश द्विवेदी, जितेंद्र मालवीय, संयुक्त मंत्री सुरप्रकाश द्विवेदी, संजय तिवारी, विकास यादव, वरिष्ठ सदस्य मुखन लाल मिश्रा, पवन कुमार त्रिपाठी, शमशाद हुसैन, अंकित गुप्ता सहित पूर्व अध्यक्ष नरनारायण मिश्रा, देवशरण त्रिपाठी, मनुदेव त्रिपाठी, पूर्व महामंत्री अजय पांडेय, तुषार तिवारी ने राजस्थान सरकार के इस निर्णय का स्वागत किया तथा उत्तर प्रदेश सरकार से भी अधिवक्ता सुरक्षा बिल लागू करने की मांग की जिससे उत्तर प्रदेश का अधिवक्ता भी अपने आपको सुरक्षित महसूस कर सके।



नेवादा ब्लॉक में समय से नहीं पहुंचते अधिकारी फरियादी परेशान

कौशाम्बी। नेवादा ब्लॉक में समय से अधिकारी नहीं पहुंचते है चाहे ग्राम पंचायत अधिकारी हो या अन्य कर्मचारी, 10-30 बजे तक एक भी ग्राम पंचायत सचिव के कमरा का ताला नहीं खुला वही बात करें तो न ही बीडीओ न ही एडीओ पंचायत, समाज कल्याण, व पीपीओ मनरेगा मौके पर मौजूद नहीं है सिर्फ कंप्यूटर ऑपरेटर अरुण कुमार के अलावा एक भी कर्मचारी ब्लाक में मौजूद नहीं है ब्लॉक में अधिकारियों और कर्मचारियों की उपस्थित बेहद खराब है अधिकारियों कर्मचारियों के ना उपस्थित होने से गांव क्षेत्र से आने वाली आम जनमानस की उम्मीदों से जूझना पड़ता है और दूर दराज गांवों से समस्याओं के समाधान की दृष्टीदे से ब्लॉक पहुंचने वाले प्राणज जनता की शिकायतों का समाधान नहीं हो पा रहा है ग्रामीण जनता ने मुख्य विकास अधिकारी और जिलाधिकारी का ध्यान आकर्षित करते हुए नेवादा ब्लॉक के लापरवाह अधिकारियों कर्मचारियों पर कार्यवाही कर व्यवस्था सुधारने जाने की मांग की है।



सीनियर एवं जूनियर वर्ग दोनों में नेशनल इंटर कॉलेज भरवारी विजेता रही

भरवारी कौशाम्बी। चल संभाग सीनियर एवं जूनियर हैंडबॉल का आयोजन शनिवार को नेशनल इंटर कॉलेज भरवारी में आयोजित किया गया कार्यक्रम में प्रधानाचार्य कलीम अहमद ने ने हरी झंडी दिखाकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया कार्यक्रम सीनियर वर्ग एवं जूनियर वर्ग दोनों में नेशनल इंटर कॉलेज भरवारी विजेता रही जूनियर वर्ग में मानसिंह इंटर कॉलेज सिंकरदरपुर बृजहा उपविजेता रही कार्यक्रम में प्रमुख रूप से अजय कुमार भारती मुनेश्वर कुमार तिवारी विनोद मिश्रा श्रीमती माया तिवारी अरुण कुमार द्विवेदी करुणेश कुमार त्रिपाठी चंद्रकांत शुक्ला गंगा प्रसाद संतोष यादव प्राणज कुमार चौधरी अवधेश कुमार राजेश कुमार यादव राजेश अस्थाना बालमुकुंद त्रिपाठी अतुल कुमार मिश्रा भारत लाल सर्मा लेफ्टिनेंट पंकज कुमार अर्जुन लाल सुनील यादव यशपाल यादव वरुण शंकर मिश्रा एवं अशोक कुमार पांडेय सहित तमाम लोग उपस्थित रहे।



हापुड़ : अधिवक्ताओं पर हुए लाठीचार्ज की घटना पर उबले अधिवक्ता



कोखराज कौशाम्बी। हापुड़ जनपद में शांतिपूर्ण तरीके से धरना प्रदर्शन कर रहे निर्दोष अधिवक्ताओं के ऊपर पुलिस द्वारा लाठी चार्ज किए जाने के विरोध में सिराथू तहसील के अधिवक्ताओं ने आक्रोश प्रकट करते हुए ज्ञापन सौंपा है अधिवक्ताओं ने कहा कि अत्याचार-अत्याय नहीं बर्दाश्त किया जाएगा अधिवक्ता साथियों ने अत्याचार करने वाले दौषियों को दंड दिलाया जाएगा अधिवक्ताओं ने कहा कि जब तक हापुड़ जनपद के अधिवक्ताओं को न्याय नहीं मिलता उनको ऊपर लाठी चार्ज कराने वाले पुलिस अधीक्षक और क्षेत्राधिकारी पर मुकदमा दर्ज कर उनको सरकार बर्खास्त नहीं करती तब तक अधिवक्ता चुप नहीं बैठेंगे आंदोलन जारी रहेगा कार्य बहिष्कार होगा। हापुड़ जनपद के निर्दोष अधिवक्ताओं के ऊपर लाठी चार्ज किए जाने की घटना को कई दिन बीत जाने के बाद भी न्याय ना होने की स्थिति में आक्रोशित अधिवक्ताओं ने धरना प्रदर्शन कर अपनी आवाज बुलंद की है एसडीएम व सीओ सिराथू को तहसील के अधिवक्ताओं ने ज्ञापन सौंपा है इस मौके पर अध्यक्ष शिवसेवक अमहर पूर्व अध्यक्ष बसन्त सिंह बालेन्दु धर द्विवेदी वकील गोपाल त्रिपाठी हेमंत जोहरी सहित तमाम अधिवक्ता आंदोलन में शामिल रहे।

संपादक की कलम से

जीवंत लोकतंत्र के लिए जरूरी है एक देश एक चुनाव

अब जबकि पूर्व राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविंद के नेतृत्व में एक देश एक चुनाव पर विचार हेतु केंद्र सरकार ने एक समिति बना दी गई है, तब यह मुद्दा बहुत विचारणीय हो गया है। स्वस्थ, टिकाऊ और विकसित लोकतंत्र वही होता है, जिसमें विविधता के लिए भरपूर जगह होती है, लेकिन विरोधाभास नहीं होते। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के भविष्योन्मुखी दृष्टि वाले नेतृत्व में विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र भारत धीरे-धीरे इसी दिशा में आगे बढ़ रहा है। एक देश-एक टैक्स की सफलता ने इस बात को सही साबित किया है। अब तक देश के लगभग एक तिहाई राज्यों में लागू हो चुके एक नेशन-एक राशन कार्यक्रम के ऐसे ही सकारात्मक परिणाम मिल रहे हैं। इसी प्रकार, एक देश-एक कानून (यूनिफॉर्म सिविल कोड) लागू किए जाने के विचार को भी जनता के एक विशाल वर्ग का अपार समर्थन मिल रहा है। एक देश-एक चुनाव लोकसभा और राज्यों की विधानसभाओं का चुनाव एक साथ करवाने का एक नीतिगत उपक्रम है। इसे समझने के लिए हमें चुनाव की प्रक्रिया को समझना होगा। हमारे देश में केंद्र और सभी राज्यों में, केंद्र शासित प्रदेशों को छोड़कर, जनता द्वारा चुनी हुई सरकारें कार्य करती हैं। इनका कार्यकाल पांच वर्ष का होता है। ये कार्यकाल, किसी भी महीने पूरा हो सकता है। जब किसी निर्वाचित सरकार का पांच साल का कार्यकाल पूरा हो जाता है, तो उस राज्य में अथवा केंद्र में एक निर्धारित अवधि के अंदर नए चुनाव कराना आवश्यक होता है, ताकि वहां नई सरकार गठित की जा सके और देश और उस प्रदेश का काम फिर से सुचारू ढंग से चलना सुनिश्चित किया जा सके। चुनावों की प्रक्रिया को निर्बाध व निष्पक्ष ढंग से सम्पन्न कराने के लिए, काफी बड़े तंत्र व खर्च की आवश्यकता होती है। जितने ज्यादा चुनाव, उतनी ही ज्यादा व्यवस्था। 2023 को ही लें। इस साल राजस्थान, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, कर्नाटक, तेलंगाना, जम्मूकश्मीर, त्रिपुरा, मेघालय, नागालैंड और मिजोरम समेत देश के दस राज्यों में विधानसभा चुनाव होने हैं। इनमें कितने समय, धन और व्यवस्था की जरूरत पड़ेगी, इसका अंदाजा लगाना कोई मुश्किल काम नहीं है। ऊपर से, इन चुनावों के खत्म होते-होते लोकसभा चुनावों की गहमागहमी शुरू हो जाएगी। अब सोचिए कि अगर इन राज्यों के और लोकसभा के चुनाव एक साथ कराने की व्यवस्था की जा सके तो कितना देश का कितना समय और धन बचेगा। आज अगर हम देश के राजनीतिक परिदृश्य पर नजर डालें, तो पायेंगे कि हर वर्ष देश को कोई न कोई हिस्सा चुनावव्यय बना रहता है। लेकिन, शुरूआत में ऐसा नहीं था। देश के पहले आम चुनावों से लेकर अगले पंद्रह सालों तक, 1952,1957, 1962, 1967 में चार बार लोकसभा चुनाव हुए और हर बार राज्यों की विधानसभाओं के चुनाव भी इनके साथ-साथ ही करवाए गए। लेकिन, जब 1968-69 में अलग-अलग कार्यों से कुछ राज्यों की विधायनसभाएं उनका कार्यकाल खत्म होने से पहले ही भंग कर दी गईं, तो यह सिलसिला बाधित हो गया। यहां तक कि पहली बार लोकसभा चुनाव भी समय से पहले ही करवा लिए गए। चौथी लोकसभा का कार्यकाल 1972 तक था, लेकिन आम चुनाव इसके पूरा होने से पहले ही 1971 में करा लिए गए। इससे समझा जा सकता है कि अगर राज्यों के विधानसभा चुनाव और आम चुनाव एक साथ आयोजित कराने की बात की जा रही है तो इसमें कुछ भी ऐसा नहीं है, जिस पर आपत्ति की जानी चाहिए। लेकिन, जब भी हमें सत्तासीन एनडीए सरकार, एक बार फिर इस व्यवस्था की बहाली की बात करती है तो विपक्ष इस तरह मुखर हो उठता है कि जैसे उसे किसी भी हाल में यह नहीं होने देना है। भाजपा विरोधी कुछ दल इसे भाजपा का सत्ता का केंद्रीकरण करने की योजना कहकर इसका विरोध जारी रखे हैं, जबकि सच तो यह है कि एक देश, एक चुनाव की अवधारणा काफी पुरानी है।

राजस्थान में महिलाओं पर बढ़ती हिंसा का जवाबदार कौन

अशोक भाटिया



हाल ही में राजस्थान के प्रतापगढ़ जिले के धरियावाड़ में एक महिला को निर्वस्त्र कर घुमाने का मामला सामने आया है। पीड़िता के पति ने ही गांव वालों के सामने महिला को 1 किमी तक दौड़ाया। घटना 31 अगस्त की है। शुक्रवार को वीडियो वायरल होने के बाद मामले का खुलासा हुआ। जानकारी के अनुसार, शादी के छह महीने बाद महिला पड़ोस के गांव ऊपला कोटा के एक युवक के साथ चली गई थी। महिला साल भर बाद 30 अगस्त को जब युवक के साथ वापस लौटी, तो उसके ससुराल वाले उसे जबरन अपने गांव पहाड़ा ले आए।

इसके बाद पति ने गांव वालों के सामने ही उसके कपड़े उतारे और निर्वस्त्र कर घुमाया। जो वीडियो वायरल हुआ, उसमें वह जोर-जोर से चीख रही है और छोड़ देने की गुहार लगा रही है। इस दौरान गांव के कई लोग सिर्फ देखते रहे और वीडियो बनाते रहे, लेकिन किसी ने पति को नहीं रोका। महिला छह महीने की गर्भवती है। अभी तक के समाचारों के अनुसार मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के हस्तक्षेप के बाद पुलिसिया कार्यवाही चालू है व नामजद अपराधियों को पकड़ा भी गया है पर सवाल यह उठता है कि वहशी दरिदों को ऐसी दरिदगी करने की हिम्मत कहाँ से आती है। हाल के कुछ दिनों की घटनाओं पर गौर करें तो राजस्थान में दिनों दिन महिलाओं को दहलाने वाली घटनाएं घटती रहती है जिन्हें देख या सुन कर किसी भी सभ्य का दिल दहक सकता है। घटनाएं कई हैं पर कुछ एक का वर्णन जरूरी है जैसे क्या कोई कल्पना कर सकता है कि एक बच्ची को सामूहिक बलात्कार के बाद कोयला भट्टी में जला दिया जाए और मीडिया में, स्त्री विमर्श में सन्नाटा बना रहे इस कदर सन्नाटा उन लेखकों के की बोर्ड में सहम कर बैठ जाए कि वह कुछ कह ही न पाएँ। उनके पास विरोध के स्वर ही न रहे। इस कदर मौन धारण है कि जैसे कुछ हुआ ही नहीं। और वास्तव में उन लोगों के लिए तब तक कुछ नहीं होता है, जब तक आरोपी राज्य की

सरकार उनके अपने एजेंडे वाली सरकार हो दिल को दहला देने वाली यह घटना हुई थी कांग्रेस शासित राज्य राजस्थान में, जहां पर अभी हाल ही में मणिपुर में हुई घटनाओं के आधार पर मणिपुर में महिला सुरक्षा को लेकर केंद्र और मणिपुर राज्य सरकार की आलोचना हुई थी। और जब उन्हीं के मंत्री ने यह याद दिलाया था कि महिला सुरक्षा पर तो दरअसल राजस्थान को अपने गिरेबान में झाँककर देखना चाहिए तो उन्हीं ही बर्खास्त कर दिया गया। सत्य की जीत कहने वाले कांग्रेस के नेताओं को सत्य ऐसा चुभा कि राजेन्द्र गुग्गा मंत्रिमंडल से ही हटा दिया। उन्होंने एनसीआरवी के आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा था कि राजस्थान महिलाओं पर हो रहे अत्याचारों में सबसे ऊपर है। परन्तु राजस्थान की सरकार को यह सत्य बहुत बलात्कार के बाद कोयला भट्टी में जला दिया जाए और मीडिया में, स्त्री विमर्श में सन्नाटा बना रहे इस कदर सन्नाटा उन लेखकों के की बोर्ड में सहम कर बैठ जाए कि वह कुछ कह ही न पाएँ। उनके पास विरोध के स्वर ही न रहे। इस कदर मौन धारण है कि जैसे कुछ हुआ ही नहीं। और वास्तव में उन लोगों के लिए तब तक कुछ नहीं होता है, जब तक आरोपी राज्य की

जाएगी तो उन्होंने उसे जिंदा ही कोयले की भट्टी में डाल दिया। यह घटना इसलिए और भयावह है कि इसमें आरोपियों की पत्नियों ने ही उस बच्ची को जिंदा भट्टी में डाल दिया। इस घटना में बताया जा रहा है कि इस बच्ची पर आरोपियों की नजर पिछले 2 महीनों से थी और वह मौका तलाश रहे थे। घटना वाले दिन जब उन्हीं उस बच्ची को अकेले मवेशी चराते हुए देखा तो उसे पकड़ लिया और उसके साथ बलात्कार किया। दोपहर में उसे बेहोश किया और जब उन्हीं पता चल गया कि अब वह नहीं बचेगी तो फिर उसे ठिकाने लगाने के लिए उनकी बीवीयां भी आगे आईं और उन्हीं ही भट्टी का दरवाजा खोलकर उस बच्ची को फेंक दिया। अधजला शव टुकड़े टुकड़े बरामद हुआ। यह घटना दिल को दहलाती है। राजस्थान में एक और ऐसी घटना हाल ही में हुई है, जो महिलाओं की आजादी और सुरक्षा पर एक बहुत बड़ा प्रश्न चिह्न लगाती है। परन्तु दुर्भाग्य से यह घटना तो एकदम ही विमर्श से बाहर रह गयी। इस घटना में कहा जा रहा है कि एक मुस्लिम महिला ने अपने घर के बाहर भाजपा का नाम लिखना और उसका चुनाव चिह्न लगाना भारी पड़ गया और

भीड़ ने उसके घर पर हमला कर दिया। पहले घर का मुख्य दरवाजा खोला और फिर ऊपरी मंजिल पर बने कमरे का दरवाजा खोला और घसीट कर बाहर ले गयी और फिरकीचड़ में फेंककर लात घूसों से मारा। परन्तु मणिपुर की घटना पर विपक्ष में रहने का दावा करने वाले एक भी कथित रचनाकार ने इस घटना पर मुंह नहीं खोला है, वैसे भी भाजपा समर्थक महिलाओं के साथ की गयी हिंसा इनके लिए हिंसा नहीं होती है। यह याद रखना चाहिए कि जब नुपुर शर्मा के खिलाफ सर तन से जुदा के नारे लग रहे थे, उस समय यह कथित महिला विमर्श करने वाले लोग कुछ भी नहीं बोले थे। उनके लिए बंगाल की वह एक भी महिला पीड़ित नहीं है, जो तुणमूल कांग्रेस के कार्यकर्ताओं द्वारा चुनावी हिंसा का शिकार हुई थीं। उनके लिए किसी भी उस महिला की पीड़ा पीड़ा नहीं है जो उनके एजेंडे में नहीं आती है। एक बात और राजस्थान की। जहां पर एक पंद्रह वर्ष की बच्ची के साथ बाइमेर में बलात्कार होता है और बलात्कार के बाद राणा खान उसकी अश्लील तस्वीरें सोशल मीडिया पर जारी कर देता है। जब

बच्ची के माता-पिता इसे देखते हैं तो चौंक जाते हैं और फिर बच्ची के द्वारा यह बताया जाता है कि राणा खान ने उसके साथ बलात्कार किया था। यह घटना भी अधिक पुरानी नहीं है, तभी की है, जब पूरे देश में मणिपुर के बहाने महिला सुरक्षा की बात की जा रही है। परन्तु इन घटनाओं पर बात नहीं होती। विमर्श नहीं होता। यहाँ तक कि राजस्थान के रचनाकार भी इन घटनाओं पर चुप रहते हैं। चुप रहने का सिलसिला 18 जुलाई को तो टूट ही नहीं सकता था जब यह समाचार आया था कि जोधपुर के एक स्कूल में एक चपरसी ने 7 साल की बच्ची के साथ लगभग 6 महीने तक बलात्कार किया था। ये हाल ही के मामले हैं। मगर ये मामले यहां पर थमते नहीं हैं। स्वयं को विमर्श का ठेकदार बताए जाने वालों की सोशल मीडिया पर इन घटनाओं पर चुप्पी साध लेते हैं। यह बात कहीं न कहीं परेशान करती है कि आखिर क्या बात है कि पीड़ा को दलीय समर्थन के आधार पर आंका जा रहा है आखिर क्या कारण है कि जिन दलों का कथित निष्पक्ष लोग समर्थन करते हैं, उनके नेताओं के शासन वाले राज्यों में महिलाओं पर हो रहे अत्याचारों पर सभी बुद्धिजीवी मौन रहते हैं ऐसा क्यों है क्या हिन्दी का कथित प्रगतिशील वर्ग जो कथित रचनाकार ने इस घटना पर मुंह नहीं खोला है, वैसे भी भाजपा समर्थक महिलाओं के साथ की गयी हिंसा इनके लिए हिंसा नहीं होती है। यह याद रखना चाहिए कि जब नुपुर शर्मा के खिलाफ सर तन से जुदा के नारे लग रहे थे, उस समय यह कथित महिला विमर्श करने वाले लोग कुछ भी नहीं बोले थे। उनके लिए बंगाल की वह एक भी महिला पीड़ित नहीं है, जो तुणमूल कांग्रेस के कार्यकर्ताओं द्वारा चुनावी हिंसा का शिकार हुई थीं। उनके लिए किसी भी उस महिला की पीड़ा पीड़ा नहीं है जो उनके एजेंडे में नहीं आती है। एक बात और राजस्थान की। जहां पर एक पंद्रह वर्ष की बच्ची के साथ बाइमेर में बलात्कार होता है और बलात्कार के बाद राणा खान उसकी अश्लील तस्वीरें सोशल मीडिया पर जारी कर देता है। जब

चांद पर शिवशक्ति पाइंट : राजनीति का अंतरिक्ष

अमन नम्र

पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की यह बात जरूर ध्यान में रखनी चाहिए कि मनुष्य चांद पर तो पहुंच गया, लेकिन धरती पर उसे कैसे जिंदा रहना है, यह नहीं सीख पाया। हम पक्षी की तरह आकाश में उड़ सकते हैं, हम मछली की तरह सागर में तैर सकते हैं, मगर हम इंसान की तरह धरती पर नहीं चल सकते। उम्मीद है कि अब हम धरती की भी ग्लोबल वार्मिंग, युद्ध, नफरत से बचाने और इंसानों के रहने लायक बनाने के मिशन में कामयाबी की तरफ बढ़ेंगे। वर्ष 2000 में एक फिल्म आई थी 'रिप्यूजी' करीना कपूर और अभिषेक बच्चन के करिअर की यह पहली फिल्म थी। इसमें जावेद अख्तर का लिखा एक गीत था, 'पंछी नदिया पवन के झोंके, कोई सरहद ना इन्हें रोके सरहदें इंसानों के लिए हैं सोचो तुमने और मैंने क्या पाया इन्सां हो के।' इस गीत के लिए जावेद अख्तर को 'फिफ्ट फेयर अवॉर्ड' भी मिला था। आप सोच रहे होंगे कि इस जाकारि का भला इस लेख से क्या तालमेल है। दरअसल जावेद अख्तर को पंछी, नदिया, पवन के साथ राजनीति भी जोड़नी थी, तो ये लाइनें ऐसी बनतीं-पंछी, नदिया, राजनीति, पवन के झोंके, कोई सरहद

ना इन्हें रोके। आज तो यही बात चरितार्थ हो रही है। अब राजनीति प्रदेश, देश और धरती की सीमा पार कर चांद तक पहुंच चुकी है। इसका ताजा उदाहरण है, चंद्रयान-3 की सफल लैंडिंग के बाद उस प्वाइंट को 'शिवशक्ति' नाम देना। आपका सवाल हो सकता है कि भला इसमें क्या राजनीति हो सकती है। यह तो वैज्ञानिकों और देश के सम्मान के लिए एक प्रतीक के तौर पर दिया गया नाम है। इससे पहले भी 2008 में जब भारत ने पहली बार चांद पर अपनी मौजूदगी दर्ज कराई थी तो उसे 'जवाहर पाइंट' नाम दिया गया था। जाहिर है, तब कांग्रेस की मनमोहन सरकार थी, ऐसे में देश के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के नाम पर नामकरण किया गया। सवाल है कि क्या 'जवाहर पाइंट' देशभक्ति थी और 'शिवशक्ति पाइंट' राजनीति है? जायज सवाल है, पर इसका जवाब भी इसी सवाल से दे दिया गया है। अगर 'जवाहर पाइंट' का नामकरण भी राजनीति ही थी तो यह अच्छी राजनीति थी, क्योंकि इसी का नतीजा है कि 15 साल बाद चंद्रयान-3 चांद के उसी दक्षिणी ध्रुव पर सफलतापूर्वक उतरा गया। तो ऐसे में 'शिवशक्ति पाइंट' के नामकरण में भला क्या आपत्ति हो सकती है? नहीं होती, अगर यही नाम ऐसे किसी पाइंट का होता जो मानसरोवर के सामने मौजूद

कैलाश पर्वत के किसी राज को खोलने के किसी वैज्ञानिक मिशन के लिए वहां के किसी स्थान के लिए रखा जाता। तब शिवशक्ति के नाम के पीछे की एक जायज वजह होती। कैलाश पर्वत पर वास करने संबंधी भगवान शिव की मान्यता के साथ इस नामकरण पर कोई भी आपत्ति खारिज की जा सकती थी। चांद के दक्षिणी ध्रुव पर 'शिवशक्ति पाइंट' का नामकरण पर तीन आपत्तियां बताई जा सकती हैं। पहली, जिस मिशन के लिए चंद्रयान-3 को वहां भेजा गया था, उसका इस नाम से कुछ लेना-देना नहीं है। दूसरी, 'इसरो' के वैज्ञानिक जिस जिन, जुनून, जज्बे और वैज्ञानिक नजरिए के साथ यह पूरा मिशन संचाल रहे थे, उसमें धर्म वैज्ञानिकों का एक निजी विश्वास जरूर हो सकता है, लेकिन इसके मिशन के दूरदर्शी नतीजों के साथ जबरन जोड़ना कतई फायदेमंद नहीं होगा। उल्टे इसके नुकसान जरूर हो सकते हैं। इस पूरे मिशन में जितने भी वैज्ञानिक जुड़े हैं, जरूरी नहीं कि वे सारे हिंदू हों, होने भी नहीं चाहिए। ऐसे में किसी वैज्ञानिक मिशन से जुड़े ऐसे बेहद अहम पाइंट का नाम धर्म विशेष से क्यों रखा जाना चाहिए? तीसरी आपत्ति यह है कि इस नाम को 'नासाइ या 'इएसए' (यूरोपियन स्पेस एजेंसी) जैसी अंतरराष्ट्रीय स्पेस एजेंसियों को किस तरह समझाया जाएगा। आखिर किसी को कैसे

बताया जाएगा कि चांद की संरचना को बेहतर ढंग से समझने और उसकी सतह पर मौजूद रासायनिक और प्राकृतिक तत्वों, मिट्टी, पानी आदि पर वैज्ञानिक प्रयोग करने के इस मिशन के बेहद अहम प्वाइंट को केवल हिंदू देवता के नाम पर क्यों रखा गया है? और यह भी कि देश के एक हिंदूवादी संगठन के नेता का यह बयान जब वतन की सीमा पार कर अंतरराष्ट्रीय मीडिया में जगह बनाएगा कि चांद को हिंदू राष्ट्र घोषित कर देना चाहिए, तब भारत किस मुंह से इस पर सफाई देगा। सच तो यह है ऐसे बयान देने वालों पर कार्रवाई न करने की स्थिति में भारत की धर्मनिरपेक्ष देश से, बीते 9 सालों में हिंदुत्व को बढ़ावा देने वाले देश की छवि और मजबूत होगी। क्या इससे खालिस वैज्ञानिक सोच और वैज्ञानिक खोज के लिए बनी 'नासा,' 'इएसए' जैसी अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिक संस्थाओं के सामने हमारा मजाक नहीं बनेगा?अब जरा, शिवशक्ति के पीछे की राजनीति समझने की कोशिश करते हैं। अगर केंद्र सरकार का इरादा वास्तव में अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिक मिशन को बढ़ावा देने का होता तो वह 'इसरो' जैसी संस्थाओं का बजट बढ़ाता, लेकिन हकीकत तो यह है कि इसी साल के बजट में सरकार ने 'इसरो' का बजट 1100 करोड़ रुपए कम कर दिया है। यानी दो चंद्रयान मिशन के बराबर की राशि।

तिब्बत और ताइवान को अलग राष्ट्र मानें ! चीन को यही जवाब !!

के. विक्रम राव

कम्युनिस्ट चीन भी अब भली-भांति समझ गया कि भारत आज 1962 के लड़ाई के बाद भी अलग राष्ट्र बनने वाला नहीं है, जो वह धमकियों से खौफ और संज्ञा से पड़ जाए। चीन ने नए मानचित्रों में भारत के भूभाग: लद्दाख, कश्मीर, अरुणाचल को अपना हिस्सा बताया। बड़ा सटीक, साहसभरा जवाब दिया विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने एक टीवी प्रोग्राम में। उन्होंने कहा : चीन की ये पुरानी आदत है। वो दूसरे देशों के इलाकों पर अपना दावा करते रहे हैं। वे 1950 के आसपास से ही इसके दावे कर रहे हैं। हमारी सरकार अपने देश की रक्षा को लेकर स्थिति साफ कर चुकी है। किसी भी तरह के बेतुके दावे से दूसरों के क्षेत्र आपत्त नहीं हो जायें। अतः मोदी सरकार अब क्या कदम उठाए बड़ा सरल है। पूर्वोत्तर भारत पर अपना मानचित्र जारी कर दें। इसमें तिब्बत को अरुणाचल का दक्षिणी भाग बना दें। चीन ने अरुणाचल को तिब्बत का उत्तरी भाग बताया है। यूं भी तिब्बत स्वतंत्र राष्ट्र था। अतः फिर

बने। दलाई लामा मुखिया होंगे। उनकी मदद और रक्षा करना भारत का दायित्व है। बौद्ध तिब्बत भी, बौद्ध लद्दाख की भांति, भारत से रक्षा पाने का हकदार है। गौतम बुद्ध के नाम पर। ये धर्म प्रवर्तक भारत के थे। मोदी सरकार को जैसे को तैसा वाले कूटनीतिक सिद्धांत के आधार पर ताइवान को पूर्ण गणराज्य वाली मान्यता दे देनी चाहिए। इसके सर्वमान्य नेता जनरल च्यांग काई शेक तो जवाहरलाल नेहरू के परम मित्र रहे। उनकी लावण्यमयी पत्नी मदाम स्तूमेई लिंग तो नेहरू की खास मित्र भी रहीं। वे 105 वर्ष तक जीवित थीं, (निधन न्यूरॉर्क में 23 अक्टूबर 2003)। उनकी अंतिम इच्छा थी अपने पति च्यांग काई शेक के समाधि स्थल ताइवान के सीहू में दफन हों। चीन द्वारा ऐसी बेतुके और फूहड़ दावों से हर राष्ट्रभक्त भारतीय का आक्रोशित होना स्वाभाविक है। राहुल गांधी को खासकर। आज वे श्रेष्ठतम भारतीय देशभक्त होने का दावा पेश करते हैं। चीन के नए नक्शे जारी होने के बाद राहुल गांधी ने

बुधवार को कहा : मैं लद्दाख से आया हूँ। पीएम मोदी ने कहा था कि लद्दाख में एक इंच जमीन नहीं गई। ये सरासर झूठ है। इसका उद्धार को राहुल गांधी ने आज फिर मुंबई में मण्डबन्धन की सभा में दुहराया। राहुल गांधी ने कहा : पुरा लद्दाख जानता है कि चीन ने हमारी जमीन हड़प ली। ये मानचित्र की बात तो बड़ी गंभीर है। अब जरूरत है इस 53-वर्षीय अथेड कंग्रेसी को याद दिलाने की कि उनकी दादी के पिता जवाहरलाल नेहरू प्रथम भारतीय थे, जो इस चीन-भारत सीमा विवाद के सुजनकर्ता हैं। उन्हीं की नजरों के सामने ही अक्टूबर 1962 को 43,180 वर्ग किलोमीटर पूर्वोत्तर भारतीय भूभाग को कम्युनिस्ट चीन ने हथिया लिया था। आले वचों में राहुल गांधी की दादी इंदिरा गांधी, पतिश्री राजीव गांधी और कांग्रेस प्रशासकों पीवी नरसिम्हा राव तथा फिर सरदार मनमोहन सिंह आदि प्रधानमंत्री पद पर सवार रहकर चार दशकों तक देश की सुरक्षा का वादा करते रहे।

कोटा में आत्महत्याओं का सिलसिला

कोचिंग हब के रूप में प्रतिष्ठित राजस्थान राज्य के कोटा में कोचिंग में पढ़ाई कर रहे छात्रों द्वारा लगातार आत्महत्या की घटनाएं पीड़ा से भर रहे वाली है। अभी गत रविवार को ही तैयारी करने वाले दो छात्रों ने मौत को गले लगाया है। सिर्फ वर्ष 2023 की ही बात करें तो अभी तक 23 प्रतियोगी छात्र जान गंवा चुके हैं। छात्रों द्वारा आत्महत्या न सिर्फ कोचिंग संस्थाओं की विद्वत्पत्तियों को उजागर करता है बल्कि परीक्षा के पैटर्न पर भी सवाल खड़ा करता है। यह तथ्य है कि कोचिंग का हब बन चुके कोटा में हर वर्ष देश भर से लाखों छात्र इंजीनियरिंग और मेडिकल परीक्षाओं की तैयारी के लिए आते हैं। सभी का सपना आईआईटी और मेडिकल संस्थानों में एडमिशन पाना होता है। इसके लिए छात्र कोचिंग संस्थानों को भारी रकम चुकाते हैं। संस्थानों द्वारा भी छात्रों को सौ फीसदी सफलता की गारंटी दी जाती है। लेकिन सचचाई है कि ये संस्थान छात्रों की गुणवत्तापरक शिक्षा देने के बजाए उनके सपनों से खेलते हैं। छात्रों का शेड्यूल कितना बोझिल होता है इसी से समझा जा सकता है कि उन्हें ठीक से नींद नहीं मिल पा रही है। हर छात्र को तकरीबन हर दिन 6 घंटे कोचिंग क्लासों में बिताना पड़ता

है। इसके अलावा उन्हें 10 घंटे स्वयं अध्ययन करना पड़ता है। ऐसे में अगर छात्र अवसादग्रस्त होते हैं तो यह अस्वाभाविक नहीं है। अगर कोचिंग संस्थानों की गतिविधियों पर नजर डालें तो ये शिक्षा के केंद्र कम कारोबार के केंद्र ज्यादा हैं। आज की तारीख में कोटा में पसरे संस्थानों का कारोबार हजारों करोड़ रुपए से अधिक का है। कोटा में प्रत्यक्ष व परोक्ष रूप से तकरीबन डेढ़ करोड़ से अधिक छात्र जुड़े हुए हैं। एक छात्र की सालाना औसत कोचिंग फीस तकरीबन एक से दो लाख रुपए होती है। बाकी अन्य खर्चें जोड़ लें तो हर छात्र को तकरीबन सालाना कम से कम द्वाइ से तीन लाख रुपए देना पड़ता है। कोचिंग के पैसे से रियल स्टेट और छात्रावास निर्माण का कारोबार चरम पर पहुंच चुका है। जब इतने बड़े पैमाने पर छात्र कोचिंग कर रहे हैं तो उनके रहने के लिए आवास की जरूरत पड़ेगी ही। छात्रों की तांते तो उनके रहने के लिए छात्रावास कम पड़ने लगे हैं। लिहाजा हजारों छात्र घरों में पैडिंग गेस्ट के रूप में रह रहे हैं। दुर्भाग्यपूर्ण यह कि छात्रों का सिर्फ आर्थिक और मानसिक शोषण ही नहीं हो रहा है बल्कि उनकी सेहत के साथ भी खिलवाड़ हो रहा है। छात्रावासों में उन्हें अस्वस्थ तरीके से बना अपौष्टिक भोजन

परोसा जा रहा है, जबकि इसके लिए मनमाना पैसा लिया जा रहा है। जिले के खाद्य सुरक्षा सेल द्वारा जब भी मान्यता प्राप्त भोजनालय और फुड सेंटर पर खाने की क्वालिटी को परखा जाता है उसमें कमियां पायी जाती हैं। बेहतर होगा कि जिला प्रशासन ऐसे सेंटरों के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई करे। कोचिंग सेंटरों का हाल और भी बुरा है। यहां छात्रों के अनुपात कोचिंग सेंटरों की भारी कमी है। कक्षाओं में इतनी अधिक भीड़ होती है कि छात्र ठीक से बैठ नहीं पाते, अध्ययन करना तो दूर की बात है। ऐसे में सम-हजया जा सकता है कि वे किन परिस्थितियों में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हैं। सबसे खतरनाक पहलू यह कि कोचिंग सेंटरों में छात्रों को विषयों की गहन जानकारी देने के बजाए शार्टकट सफलता हासिल करने के मंत्र दिए जाते हैं। इस पैटर्न का फायदा जीनियस छात्र तो उठा लेते हैं लेकिन औसत छात्रों को नुकसान ही होता है। कहना गलत नहीं होगा कि कोचिंग सेंटरों में छात्रों को रद्द तोता बनाया जा रहा है। संभवतः उसी का कुपरीणाम है कि आज परीक्षाओं में मुट्ठी भर छात्रों के हाथ सफलता लग रही है और शेष छात्र असफलता के शिकार हो रहे हैं। यह असफलता उनमें हीन भावना पैदा करती है और वे इतना अवसादग्रस्त हो

जाते हैं कि आत्महत्या कर बैठते हैं। पर विडंबना है कि छात्रों की आत्महत्या की घटना भी कोचिंग संस्थानों और अभिभावकों को विचलित नहीं कर रही है। इसका सीधा मतलब यह हुआ कि कोचिंग संस्थानों का उद्देश्य प्रतिभाओं को ग-सजना नहीं बल्कि येनकेनप्रकारेण छात्रों से धन उगाही करना है। यह विडंबना है कि कोचिंग संस्थान ऐसे बच्चों को भी अपने कोचिंग केंद्रों में दाखिला ले लेते हैं जो इंजीनियरिंग और मेडिकल क्षेत्र में जाने की मानसिक योग्यता नहीं रखते। या यों कहें कि वे ऐसे बच्चों को भी इंजीनियर और डॉक्टर बनाने का प्रलोभन देते हैं जिनमें इंजीनियर और डॉक्टर बनने की न तो अभिरुचि होती और न ही क्षमता। लेकिन गौर करें तो इसके लिए सिर्फ कोचिंग संस्थानों को ही जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता। छात्रों के अभिभावक भी उतने ही जिम्मेदार हैं। वे अपने बच्चों की मानसिक क्षमता परखे बिना उन्हें इंजीनियर व डॉक्टर बनाने पर तुले हुए हैं। उचित होगा कि कोचिंग संस्थान और अभिभावक दोनों बच्चों की मानसिक क्षमता का ध्यान रखते हुए उन्हें उस दिशा में प-सजने के लिए प्रेरित करें जिसमें उनकी अभिरुचि है। लेकिन दुर्भाग्यवश ऐसा नहीं हो रहा है। यह हमारी शिक्षा प्रणाली की

घोर विफलता ही है कि विज्ञान व गणित की पढ़ाई को शिक्षा की सर्वश्रेष्ठता और रोजगार से जोड़ दिया गया है। साथ ही यह भी मान लिया गया है कि जिसे विज्ञान और गणित की समझ में नहीं आता है वह किसी लायक नहीं है। चिंता की बात यह भी कि विज्ञान व गणित की पढ़ाई करने वाले छात्र भी वैज्ञानिक बनने का सपना नहीं देखते। उनका लक्ष्य इंजीनियर व डॉक्टर बनकर विश्वों में भारी पैकेज हासिल करना होता है। संभवतः यहीं वह सोच है जो छात्रों को न सिर्फ अवसादग्रस्त बना रही है बल्कि जीवन के विविध क्षेत्रों में प्रतिभाओं के आने की संभावना को भी शून्य कर रही है। इसका सीधा फायदा कोचिंग संस्थानों को मिल रहा है। इसके इस्तेमाली शिक्षा प्रणाली ही जिम्मेदार है। आज कोचिंग एक सेक्टर की तरह आर्गनाइज्ड हो चुका है। यह तथ्य ही उभरकर सामने आ रहा है कि कोचिंग सेंटर सरकारी स्कूलों के टीचर्स के साथ मिलकर धंधा कर रहे हैं और प्रतियोगी परीक्षाओं में धांधली कर रहे हैं। यह स्वीकारने में हर्ज नहीं कि स्कूल-कॉलेज में होने वाली पढ़ाई पर घटना विश्वास और ऊंचे नंबर की ब-सजती चाहत ने देश भर में ट्यूशन और कोचिंग के धंधे को चरम पर पहुंचा दिया है।

चित्रकूट - उन्नाव संदेश

तेलंगाना से लूटी कार समेत दो लुटेरे दबोचे
लुटेरों से कार, नकदी, जीपीएस सिस्टम बरामद

अखंड भारत संदेश
चित्रकूट। पुलिस अधीक्षक श्रीमती वृन्दा शुक्ला के निर्देश पर अपराधियों के खिलाफ जारी कार्यवाही में एसपी चक्रपाणि त्रिपाठी व सीओ राजापुर श्रीमती निष्ठा उपाध्याय की देखरेख में थानाध्यक्ष रैपुरा शैलेन्द्रचन्द्र पाण्डेय की अगुवाई में रैपुरा पुलिस ने लूट की घटना का खुलासा कर दो लुटेरों को दबोचकर लूटी मालती स्विफ्ट डिजायर कार, पांच हजार रुपये नगद व क्षति ग्रस्त जीपीएस सिस्टम, दो वाहन नम्बर प्लेट बरामद की हैं। ज्ञात है कि 29 अगस्त की रात बांधी के पास अज्ञात व्यक्ति बेहोशी दशा में मिलने पर रैपुरा पुलिस ने सीएचसी रामनगर में भर्ती कराया था। होश आने पर अपना नाम मो. समीरुद्दीन पुत्र गौशुद्दीन निवासी मंडी बाजार

मिजामपुरा जिला वारंगल तेलंगाना बताया था। उसने बताया कि उसकी स्विफ्ट डिजायर कार प्रे कलर नम्बर टीएस 24टीए-0322 को राजू नाम के व्यक्ति ने झंसी के लिये 35 हजार रुपये में बुक किया था। सिकन्दराबाद रेलवे स्टेशन हैदराबाद तेलंगाना से उसे बैठाया तथा दूसरे को उपलब्ध से बैठाया और झंसी के लिये चल दिये। जबलपुर में उन्होंने उसे बीयर पिला दी। गाड़ी दूसरा व्यक्ति चलाने लगा। रास्ते में इन लोगों ने उसे चाय पकौड़ी एवं कोल्ड ड्रिंक में नशीला पदार्थ खिला दिया। इसके बाद उसे कुछ होश नहीं है। खुद को सीएचसी रामनगर में पाया। इस सूचना पर थाना रैपुरा में मामला दर्ज किया गया। पुलिस अधीक्षक ने घटना का संज्ञान लेकर थानाध्यक्ष रैपुरा को पदाफाश के



निर्देश दिये। वादी ने बताया कार जेपी मोर्गन आईटी कम्पनी हैदराबाद से अटैच है। जीपीएस लोकेशन वहीं से ट्रेस हो सकती है। पुलिस ने जेपी मोर्गन आईटी कम्पनी से सम्पर्क कर गाड़ी की

लोकेशन ली। एक सितम्बर को रैपुरा पुलिस ने अजीत कुमार उर्फ नंगू गोस्वामी पुत्र दुर्गा प्रसाद निवासी जोरिया मजरा जगतपुर थाना कटरा जिला गोण्डा, आदर्श तिवारी उर्फ वेजम पुत्र रामअचल

तिवारी निवासी दिन उरवा मजरा पारस पट्टी थाना मोतिपुर जिला सुल्तानपुर को दबोचकर आदर्श तिवारी के ट्यूबवेल से लूटी कार बरामद की। कार में फर्जी नम्बर लगा रखा था। अजीत कुमार उर्फ

नंगू गोस्वामी के कब्जे से लूटे पांच हजार रुपये बरामद हुए। सख्ती से पूछताछ में बताया कि वे दूर-दराज से गाड़ियों को बुककर रास्ते में झड़वर के साथ जहरखुरानी कर गाड़ियों को लूटकर उन्हे बँच देते थे। जो पैसा मिलता है, उसे आपस में बाँट लेते हैं। अजीत उर्फ नंगू ने बताया कि उसने व साथी रामकरन पुत्र बिहारी भोला पत्थरकट निवासी रामचरन का पुरवा मजरा पुरे तेंदुआ थाना धानपुर जिला गोण्डा के साथ गाड़ी बुक की थी। झड़वर को रास्ते में जहरखुरानी कर जेब में रखे 14 हजार रुपये, मोबाइल व कार लूट कर आये थे। लूटे रूपयों में सात-सात हजार बाँट लिये थे। रामकरन की गिरफ्तारी को प्रयास जारी है। टीम में दोगा सिद्धान्थ राय, सिपाही अजीत यादव व नन्दलाल शामिल रहे।

जानलेवा हमले के आरोपी बंदूक समेत गिरफ्तार

अखंड भारत संदेश
चित्रकूट। पुलिस अधीक्षक श्रीमती वृन्दा शुक्ला के निर्देश पर अपराधियों के खिलाफ जारी कार्यवाही में प्रभारी निरीक्षक सरधुवा दीपेन्द्र सिंह की अगुवाई में पुलिस ने जानलेवा हमला के दो आरोपी दबोचे हैं। शनिवार को सरधुवा पुलिस ने जानलेवा हमले के नामजद आरोपी अवधेश तिवारी पुत्र रामकृपाल व कृष्ण औतार तिवारी पुत्र रामकृपाल निवासी गडौली को घटना में प्रयुक्त दोनाली बन्दूक व आठ कारतूस तथा एक खोखा समेत गिरफ्तार किया है। घटना में प्रयुक्त बंदूक व कारतूस बरामदगी पर मुकदमे में धारण बर्दाई है। टीम में दोगा शिवमणि मिश्रा, सिपाही अतुल मिश्रा शामिल रहे। इसी क्रम में प्रभारी निरीक्षक पहाड़ी नागेन्द्र कुमार नागर की अगुवाई में दोगा रविकान्त राय ने सिपाही सूर्यकान्त व आशीष कुमार के साथ नामजद बाँधित राजाराम उर्फ कलिया पुत्र रामपाल व जयनारायण पुत्र शिवशरण निवासी गंगू का पुरवा मजरा कौहारी तथा अखिलेश पुत्र बच्चोलाल यादव निवासी बुद्ध पुरवा मजरा कौहारी को गिरफ्तार किया है। थानाध्यक्ष भरतकृप सुबेदार बिन्दू की अगुवाई में दोगा अजहर जमाल ने सिपाही सतीश यादव के साथ वारंट बच्चा यादव पुत्र लोटन यादव निवासी भैसोधा को गिरफ्तार किया।

गुलामी की मानसिकता खत्मकर विरासत पर करें गर्व: सांसद
मेरी माटी मेरा देश अभियान ओरा से शुरू

अखंड भारत संदेश
चित्रकूट। सांसद आरके सिंह पटेल ने ओरा गांव में शहीदों की याद में लगाये शिलापट का शिलान्यास कर शहीदों व स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों को श्रद्धा-सुमन अर्पित किये। शनिवार को सांसद आरके सिंह पटेल ने ओरा गांव में कहा कि ये कार्यक्रम उन बहादुर स्वतंत्रता सेनानियों और वीरों के सम्मान को समर्पित है। प्रत्येक ग्राम पंचायत की मिट्टी अमृत कलश में भरकर देश की राजधानी दिल्ली जाएगी। प्रत्येक विधानसभा के नाम से एक वृक्ष भी लगाया जाएगा। सांसद आरके सिंह पटेल ने पंच प्राण की प्रतिज्ञा दिलाई। भारत को विकसित देश बनाने व गुलामी की मानसिकता को खत्म कर समृद्ध विरासत पर गर्व करने



देश की एकता और एकजुट

बनाए रखना प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है। उन्होंने राष्ट्र की रक्षा करने वालों का सम्मान करने पर ध्यान केंद्रित करते हुए प्रतिज्ञा दिलाई। सांसद पटेल ने कहा कि सरकार गरीब किसान कल्याण की योजनाओं के साथ देश के लिए सबकुछ न्योछावर करने वाले वीर जवानों की याद में प्रत्येक ग्राम पंचायत के सभी गांव में अभियान से जुड़कर शहीदों का सम्मान बढ़ाने का कार्य कर रही है। ग्राम पंचायत के डीपी मंदिर परिसर में 75 पेड़ लगाकर अमृत वाटिका सजाने को ग्रामीणों से आग्रह किया। कहा कि देश आजादी के सौ वर्ष पूरे करेगा, अमृत काल पर आने वाली पीढ़ियां शहीदों के सम्मान में ऐसे रचनात्मक कार्य करेंगे। इस मौके पर भाजपा

जिलाअध्यक्ष चंद्रप्रकाश खरे, ब्लॉक प्रमुख पहाड़ी सुशील द्विवेदी, अध्यक्ष कोऑपरेटिव बैंक पंकज अग्रवाल, नगर पालिका अध्यक्ष नरेंद्र गुप्ता, विनोद पांडेय, जिला उपायुक्त मनरेगा धर्मजीत सिंह, राधेश्याम दिवाकर, फूलचंद राजपूत, प्रधान अभेष मिश्रा, शक्ति प्रताप सिंह तोमर, अशीष रघुवंशी, राजकुमार त्रिपाठी, शिव प्रकाश मिश्रा, अभिमन्यु बेलौहा, रामबरन श्रीवास, अमित मिश्रा, वेद प्रकाश, देव कुमार यादव, अशोह प्रधान मेहरबान प्रताप, प्रधान लवदीप शुक्ला खरसेडा, पुनीत उपाध्याय, राम आसरे यादव, पिलखिनी प्रधान रूप नारायण, सन्दीप सिंह, चुनकवान राजपूत, राजाराम यादव आदि मौजूद रहे।

फर्जी कम्पनी बना करोड़ों की ठगी का खुलासा

-छह लोगों के कब्जे से दो कार, दो बाइक बरामद -एसपी ने टगों के खुलासे की ली थी चुनौती

अखंड भारत संदेश
चित्रकूट। पुलिस अधीक्षक श्रीमती वृन्दा शुक्ला के निर्देश पर अपराधियों के खिलाफ जारी कार्यवाही में एसपी चक्रपाणि त्रिपाठी व सीओ सिटी हर्ष पाण्डेय की देखरेख में क्रायम ब्रांच व कोतवाली कर्मी पुलिस की संयुक्त टीम ने फर्जी कम्पनी बनाकर लोगों के साथ ठगी करने वाले गिरोह का पदाफाश कर छह लोगों को दबोचा है। दबोचे लोगों के कब्जे से दो कार, दो चोरी की बाइक, आठ मोबाइल फोन एवं फर्जी कागजात बरामद हुए।

शनिवार को पुलिस अधीक्षक श्रीमती वृन्दा शुक्ला पुलिस कार्यालय स्थित राघव प्रेक्षागार में प्रताकोरों से रुबरु हुई। उन्होंने बताया कि दस जुलाई को कोतवाली कर्मी में श्रीमती सुशील देवी पत्नी गिरधारीलाल निवासी कसहाई ने सूचना दी कि हार्वर्ड जागरूकता एजुकेशन ट्रस्ट के कर्मचारी विनय कुमार वर्मा पुत्र जयराज वर्मा निवासी चमरपुर थाना भद्रोजो जिला बलरामपुर ने झंसा देकर करोड़ों रुपये गबन कर भाग गये हैं। कोतवाली में विनय कुमार आदि के खिलाफ मामला दर्ज हुआ। पुलिस अधीक्षक ने घटना की गंभीरता के मद्देनजर विवेचना अपराध शाखा निरीक्षक एमपी त्रिपाठी को सौंपी। विवेचक एमपी त्रिपाठी व स्वाट टीम ने



विधायक ने ठगी का उठाया था मुद्दा

अखंड भारत संदेश
चित्रकूट। सदर विधायक अनिल प्रधान ने जिले में हॉवर्ड एजुकेशन ट्रस्ट के ठगी का मुद्दा विधानसभा में उठाया था। ठगी के शिकार लोगों समेत पांच सदस्यी प्रतिनिधि मण्डल के साथ पुलिस अधीक्षक से भेंटकर कड़ी कार्यवाही करने के साथ ठगी के शिकार लोगों का पैसा दिलाने की कार्यवाही की मांग की थी। नतीजतन पुलिस अधीक्षक ने विधायक की बातों को संज्ञान में लेकर टीम लगाकर आज ठगी के गिरोह का पदाफाश किया है।

फर्जी सिम व नये मोबाइल फोन सरगना प्रमोद गुप्ता ने दिये थे। इसका उपयोग लोगों के साथ धोखाधड़ी में करते थे। क्षेत्रीय लोगों को नौकरी देने पर उन्हीं के बैंक खाते में रुपये जमा कराते थे। नकद पैसै निकलवाकर ले लेते थे। बीच-बीच में सरगना प्रमोद गुप्ता के साथी आकर पैसे ले जाते थे। अलग-अलग बैंक खातों में अभी

दस लाख रुपये हैं। बाकी रुपये प्रमोद गुप्ता ने गोरखपुर में जमीन खरीद कर प्लॉटिंग कर रहा है। नया मकान बनवा रहा है। उन्हे भी एक-एक प्लॉट देने को बोला था। सभी लोगों के खिलाफ कोतवाली में मामला दर्जकर प्रमोद गुप्ता व दो अन्य साथियों की गिरफ्तारी को प्रयास जारी है। इसी प्रकार जिले के मऊ थाने के मधुवन में माउण्ड एजुकेशनल सर्विस नामक संस्था बनाकर इन्ही लोगों ने लोगों को विभिन्न पदों पर नौकरियां एवं कम समय में अधिक पैसा कमाने का लालच देकर करोड़ों रुपये की ठगी की है। इस मामले में मऊ थाने में भी मामला दर्ज है। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि गिरफ्तार अमन जायसवाल पुत्र

प्रेमचन्द्र जायसवाल निवासी टोला कतरौन कुसमहा थाना रामकोला जिला कुशीनगर (फर्जी नाम विनय वर्मा), राज गुप्ता पुत्र जगदम्बा प्रसाद गुप्ता निवासी भटवा तिवारी थाना खामपार जिला देवरिया, प्रेमचन्द्र जायसवाल पुत्र ठाकुर प्रसाद निवासी टोला कतरौन कुसमहा थाना रामकोला जिला कुशीनगर, मनोज कुमार जायसवाल पुत्र हरीशचन्द्र निवासी रावलीनगर थाना शाहपुर जिला गोरखपुर, उपेन्द्रनाथ पाण्डेय पुत्र रामदास निवासी सहला खुर्द थाना खजनी जिला गोरखपुर (फर्जी नाम वीके सिंह) व गिरजेश गुप्ता पुत्र रामलखन निवासी देउरवा थाना कप्तानगंज जिला कुशीनगर शामिल हैं। पुलिस टीम में निरीक्षक एमपी त्रिपाठी, निरीक्षक श्याम प्रताप पटेल प्रभारी स्वाट टीम, दोगा पवन प्रधान, दीवान जितेन्द्र कुमार सर्विलांस टीम, दीवान प्रदीप कुमार सर्विलांस टीम, दीवान धर्मन कुमार सर्विलांस टीम, सिपाही रोहित सिंह सर्विलांस टीम, सिपाही रोशन सिंह स्वाट टीम, सिपाही राघवेन्द्र सिंह स्वाट टीम, सिपाही आशीष कुमार सर्विलांस टीम, सिपाही पवन राजपूत स्वाट टीम, सिपाही ज्ञानेश मिश्रा स्वाट टीम, दीवान शिवकरन कोतवाली, दीवान सदीप देव कोतवाली कर्मी, सिपाही शुभम शर्मा, सिपाही अमिक कुमार शामिल रहे।

अभियान की सफलता से बनेगी तीसरी बार सरकार: देवेश कोरी

अखंड भारत संदेश
चित्रकूट। जिला पंचायत सभागार में मेरी माटी मेरा देश अभियान के तहत कार्यशाला के मुख्य अतिथि प्रदेश उपाध्यक्ष/जिला प्रभारी देवेश कोरी की मौजूदगी में जिलाध्यक्ष चन्द्र प्रकाश खरे की अध्यक्षता में बैठक हुई। शनिवार को पूर्व राज्यमंत्री चन्द्रिका प्रसाद उपाध्याय, पूर्व सांसद भैरोप्रसाद मिश्र, डीसीबी चेयरमैन पंकज अग्रवाल, पूर्व जिलाध्यक्ष

लवकुश चतुर्वेदी, दिनेश तिवारी की मौजूदगी में देवेश कोरी ने कहा कि मेरी माटी मेरा देश अभियान की सफलता ही तीसरी बार भाजपा की सरकार बनाएगी। मतदाता से सतत सम्पर्क कर घर-घर भाजपा का विस्तार सुनिश्चित करें। गांव-गांव अमृत वाटिका बनें। पंच प्रण का पुनर्संरण जन-जन को। घर-घर से मिट्टी का संकलन करें। चन्द्र प्रकाश खरे ने कहा कि समाज के सभी वर्गों के लोगों को अभियान से जोड़ना है।



बृथ से लेकर जिला पदाधिकारी तक और सभी जनप्रतिनिधिगण इस अभियान में सक्रिय रूप से हिस्सा लें। जिला महामंत्री आलोक पाण्डेय ने कहा कि दो व तीन सितंबर को सभी मण्डलों की कार्यशाला में शत-प्रतिशत उपस्थिति हो। जन-जन की सहभागिता से मेरी माटी मेरा देश अभियान के विराट स्वरूप को व्यक्त कर सकते हैं। अभियान के संयोजक राघवेन्द्र सिंह जिला महामंत्री हैं। कार्यशाला में जिला महामंत्री राजेश

जायसवाल, अश्विनी अवस्थी, जिला उपाध्यक्ष आनन्द पटेल, ब्रजेश पाण्डेय, हरिओम करवरिया, अंजु वर्मा, भागवत त्रिपाठी, अखिलेश, राघव अग्रवाल, रामेन्द्र गौतम, रवि गुप्त, विकास मिश्र, लवलेश, नरेंद्र गुप्ता, सुशील द्विवेदी, ओमप्रकाश, रमाकांत, विनोद पांडे, आशीष, सचिदानंद, अरविन्द रिंठि, गंगाधर मिश्रा, सुशीला प्रधान, संजय पाण्डेय आदि मौजूद रहे।

कोलान बस्ती में पीने के पानी को ग्रामीण परेशान

अखंड भारत संदेश
चित्रकूट। मानिकपुर ब्लॉक के ऐलहा बहैया कोलान बस्ती में पानी की किल्लत से ग्रामीण खासे परेशान हैं। जिम्मेदार नहीं चुन रहे। समस्या को लेकर अमरजीत यादव ने समाधान दिवस में एसडीएम मानिकपुर को ज्ञापन देकर पानी की व्यवस्था करने की मांग की है। शनिवार को मानिकपुर समाधान दिवस में अमरजीत ने बताया कि प्रधान व सचिव की लापरवाही से ग्रामीण बूँद-बूँद पानी को तरस रहे हैं। समस्या को लेकर वह मानिकपुर एसडीएम के पास आये हैं। उन्हे ज्ञापन देकर पीने के पानी की व्यवस्था कराने की मांग की है। एसडीएम ने ग्रामीणों को भरोसा दिया है कि बस्ती में पीने के पानी की व्यवस्था जल्द की जायेगी।

दहेज हत्या में मां-बाप और बेटे को हुई दस साल की सजा, त्वरित न्यायालय ने सुनाया फैसला

अखंड भारत संदेश
चित्रकूट। दहेज हत्या मामले में दोष सिद्ध होने पर त्वरित न्यायालय ने मां-बाप और बेटे को दस वर्ष की सजा सुनाई है। प्रत्येक को आठ हजार रुपये के जुमाने से भी दंडित किया है। शनिवार को सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता फौजदारी गोपाल दास ने बताया कि वादी रामसेनही पटेल ने 24 मार्च 2018 को कर्मी कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि अपनी बहन सुमन देवी की शादी सेमरिया गांव के लवलेश पटेल के बेटे नीरज के साथ की थी। शादी के बाद से ही बहन सुमन को दहेज को लेकर ससुर लवलेश पटेल, सास फूला देवी व पति नीरज परेशान करते थे। दहेज में चारपहिया गाड़ी, पांच लाख रूपए मांगे जाते थे। सुमन को प्रताड़ित करने को खाना पीना भी नहीं दिया जाता था। वह कई दिनों तक भूखी रहती थी। इसकी जानकारी उसकी बहन मायके आने पर देती थी। ससुरालीजनों के उत्पीड़न को लेकर कई बार पंचायत भी हुई थी। ससुरालीजन सुमन को लिवाने आए तो उन लोगों ने भेज दिया। ससुरालीजनों ने उसकी बहन को 23 मार्च 2018 को फांसी लगाकर मार डाला। पुलिस ने मामले की रिपोर्ट दर्ज कर न्यायालय में आरोप पत्र दाखिल किया था। बचाव और अभियोजन पक्ष के अधिवक्ताओं की दलीलें सुनने के बाद शनिवार को त्वरित न्यायालय के अपर जिला जज संजय कुमार ने दोष सिद्ध होने पर मृतका के पति नीरज, सास फूला देवी और ससुर लवलेश को दस-दस वर्ष की सजा सुनाई। प्रत्येक को आठ हजार रुपये के जुमाने से दंडित किया। जुमाना की धनराशि में पचास फीसदी मृतका के भाई रामसेनही पटेल को देने का आदेश दिया।

ट्रायल की तिथियां निर्धारित

अखंड भारत संदेश
चित्रकूट। खेल निदेशालय लखनऊ के जारी कार्यक्रमनुसार पंडित दीनदयाल उपाध्याय जन्म शताब्दी पर एथलेटिक्स की प्रदेश प्रतियोगिता 11 से 12 सितंबर तक वाराणसी में हो रही है। बास्केटबॉल प्रतियोगिता 18 से 21 सितंबर बास्केटबॉल सिर्फ पुरुषों के लिए अयोध्या में हो रही है। एथलेटिक्स पुरुष और महिला में चित्रकूट धाम मंडल की टीम हिस्सा लेने भेजी जाएगी। जिला स्तर पर पांच सितंबर को पूर्वाह्न 11 बजे एथलेटिक्स के पुरुष महिला का चयन होगा। स्पोर्ट्स स्टेडियम चित्रकूट में 14 सितंबर को पूर्वाह्न 11 बजे बास्केटबॉल पुरुष का चयन होगा। छह सितंबर को एथलेटिक्स का मंडली ट्रायल, 15 सितंबर को पुरुष बास्केटबॉल का ट्रायल स्टेडियम में होगा। जो खिलाड़ी भाग लेना चाहे, वह इन तिथियों में ट्रायल दे सकते हैं।

नेत्रदान की भ्रातियां दूर करने को दिखाई फिल्म



अखंड भारत संदेश
चित्रकूट। परमहंस संत रणछोड़ दास जी महाराज के कर कमलों से स्थापित श्री सदगुरु सेवा संघ ट्रस्ट एवं सदगुरु नेत्र चिकित्सालय में 38वें नेत्रदान पखवाड़े में जिले के समाजसेवियों समेत नेत्रदान के प्रति लोगों में जागरूकता लाने को व्याप्त भ्रातियों को दूर करने को हुई गोष्ठी में कार्निशा डिपार्टमेंट के प्रमुख डा गौतम सिंह परमार ने नेत्रदान संबंधित फिल्म दिखाई। शनिवार को डॉ गौतम सिंह ने नेत्रदान की बाबत जानकारी दी। सदगुरु सेवा संघ के ट्रस्टी/प्रशासक डा ईंलेश जैन ने सभी समाजसेवियों का स्वागत करते हुए कहा कि नेत्रदान के प्रति लोगों को प्रेरित करना सबकी चुनौती है। किसी परिवार को रोशनी देनी है तो महादान के लिए सबको संकल्प लेकर जागरूक करना होगा। ट्रस्ट के ट्रस्टी एवं डायरेक्टर डा बीके जैन ने सभी समाजसेवियों का आभार जताते हुए कहा कि वे किसी एक व्यक्ति का काम नहीं है, नेत्रदान समाजहित का काम है। इसे करने की समाज के प्रत्येक व्यक्ति की जिम्मेदारी है। उन्होंने नेत्रदान के प्रति लोगों में फैली भ्रातियों को दूर करने को गोष्ठी में मौजूद लोगों से सुझाव मांगे। गोष्ठी में मौजूद लोगों ने नेत्रदान के बारे में जानकारियां लीं। डा जैन ने बताया कि रविवार को शाम चार बजे कर्मी चित्रकूट नगर पालिका परिषद के सामने नेत्रदान जागरूकता रैली निकाली जाएगी। चित्रकूट धाम रेलवे स्टेशन पर रैली का समापन होगा। नेत्रदान जागरूकता रैली में ज्यादा से ज्यादा लोग हिस्सा लें। इस मौके पर जिले के समाजसेवी, गणमान्य लोग आदि मौजूद रहे।

हापुड़ कांड की हो न्यायिक जांच, अधिवक्ताओं ने सौंपा ज्ञापन

अखंड भारत संदेश
चित्रकूट। हापुड़ कांड को लेकर अधिवक्ताओं ने अपर जिलाधिकारी कुंवर बहादुर सिंह को मुख्यमंत्री सम्बोधित ज्ञापन सौंपा। एडवोकेट काउंसिल के जिला प्रभारी रामप्रकाश पाण्डेय ने कहा कि एसआरटी टीम में बार काउंसिल के दो सदस्यों को शामिल किया जाए। दो न्यायिक अधिकारी शामिल हों जो निष्पक्ष रिपोर्ट दे सकें। शनिवार को मुख्यमंत्री सम्बोधित ज्ञापन में फौजदारी अधिवक्ता आनन्द मिश्रा ने कहा कि जल्द एडवोकेट ट्रेटक्सन एक्ट लागू किया जाए। कुंवर रोहित सिंह ने कहा कि हापुड़ घटना की जितनी निन्दा की जाये कम है। भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो, सरकार को कड़े कदम उठाना चाहिए। हापुड़ घटना को लेकर तीसरे दिन भी अधिवक्ता न्यायिक कार्य से विरत रहे। ज्ञापन देने में खासतौर पर जिला प्रभारी एडवोकेट काउंसिल रामप्रकाश पाण्डेय, आनन्द मिश्रा, कुंवर रोहित सिंह, सुरेन्द्र पयारी, लक्ष्मण त्रिपाठी, अनिल त्रिपाठी, लक्ष्मण कुशवाहा, मनमोहन चतुर्वेदी शामिल रहे।

